WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

रिया से ईडी दफ्तर में पूछताछ

वर्षः 01 अंक : 230 | लखनऊ, शनिवार, 08 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

नई शिक्षा नीति से नए भारत की नींव रखी जाएगीः प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि तीन-चार साल के विचार-मंथन और लाखों सुझावों के बाद नई शिक्षा नीति को मूर्त रूप दिया गया है और यह नए भारत की नींव रखने का काम करेगा। श्री मोदी ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत उच्च शिक्षा में होने वाले परिवर्तनकारी सुधारों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज हर विचारधारा के लोग इस नयी शिक्षा नीति पर मंथन कर रहे हैं। इस नीति का कोई विरोध नहीं कर रहा है क्योंकि इसमें कुछ भी एकतरफा नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ कोई सर्कुलर नहीं बल्कि एक महायज्ञ है, जो नए देश की नींव रखेगा और एक सदी तैयार करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षा नीति में देश के लक्ष्यों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि भविष्य के लिए पीढ़ी को तैयार किया जा सके। कई दशकों से शिक्षा नीति में बदलाव नहीं हुआ था इसलिए समाज में भेड़चाल को प्रोत्साहन मिल रहा था। कभी डॉक्टर, कभी इंजीनियर कभी वकील बनाने की होड़ लगी हुई थी लेकिन अब युवा क्रिएटिव विचारों को आगे बढ़ा सकेगा, अब सिर्फ पढ़ाई नहीं बल्कि वर्किंग कल्चर को विकसित किया गया है। युवाओं में क्रिटिकल सोच विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे सामने सवाल था कि क्या हमारी नीति युवाओं को अपने सपने पूरा करने का मौका देती है। क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था युवा को सक्षम बनाती है। नई शिक्षा नीति को बनाते समय इन सवालों पर गंभीरता से काम किया गया है। दुनिया में आज एक नई व्यवस्था खड़ी हो रही है, ऐसे में उसके हिसाब से शिक्षा व्यवस्था में बदलाव जरूरी है। नयी शिक्षा नीति में ऐसा प्रावधान किया गया है कि छात्रों को ग्लोबल सिटीजन बनाने के साथ साथ उनको अपने जड़ों से भी जोड़कर रखना है। श्री मोदी ने कहा कि बच्चों के घर की बोली और स्कूल में सीखने की भाषा एक ही होनी चाहिए ताकि बच्चों को सीखने में आसानी हो। पांचवीं कक्षा तक बच्चों को जहां तक संभव हो उनकी मातृभाषा में ही शिक्षा देने की व्यवस्था हो। अभी तक शिक्षा नीति व्हाट टू थिंक के साथ आगे बढ़ रही थी, अब हम लोगों को हाउ टू थिंक पर जोर देंगे। बच्चों पर किताबों का बोझ कम करना होगा। उच्च शिक्षा को स्ट्रीम से मुक्त करना होगा। श्री मोदी ने कहा देश में ऊंच-नीच का भाव, मजदूरों के प्रति हीन भाव क्यों पैदा हुआ। इसके पीछे बड़ी वजह शिक्षा का समाज से लगाव नहीं होना रहा है। इस नयी शिक्षा नीति में इस पर भी विशेष जोर दिया गया है।

स्वदेशी शिल्प को संरक्षित करने के प्रयास सराहनीयः मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस' पर इस क्षेत्र से जुड़े लोगों की सराहना करते हुए कहा है कि स्वदेशी शिल्प को संरक्षित करने के उनके प्रयास सराहनीय हैं। श्री मोदी ने आज यहां एक ट्विट संदेश में कहा कि राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर हम अपने जीवंत एवं उर्जावान हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को नमन करते हैं। इन अनुकरणीय लोगों ने हमारे राष्ट्र के स्वदेशी शिल्प को संरक्षित करने के लिए निरंतर सराहनीय प्रयास किए हैं। आइए, हम सभी 'वोकल फॉर हैंडमेड' हो जायें और 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने की दिशा में अपने प्रयासों को सतत रूप से मजबूत करें।

पहली बार एक दिन में 62 हजार से अधिक मामले, 49 हजार रोगमुक्त

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रकोप के बीच पिछले 24 घंटों में सर्वाधिक 62 हजार से अधिक नये मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या 20.27 लाख और सक्रिय मामलों की संख्या छह लाख के पार हो गयी है। राहत की बात यह है कि इस दौरान 49,769 लोगों के स्वस्थ होने से संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या भी 13,78,106 लाख पर पहुंच गयी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पहली बार एक दिन में सर्वाधिक 62,538 संक्रमण के मामले आने से इनकी संख्या 20,27,075 हो गयी तथा 886 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 41,585 पर पहुंच गयी है। मंत्रालय के अनुसार स्वस्थ होने वालों की दर 67.98 प्रतिशत पर पहुंच गयी है और मृत्यु दर 2.05 प्रतिशत है। स्वस्थ होने वालों की दर में निरंतर हो रही वृद्धि के बावजूद संक्रमण के नये मामले बढ़ने से देश में पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामलों में 11,883 की बढ़ोतरी हुई जिससे इनकी संख्या 6,07,384 हो गयी है। बिहार में सबसे ज्यादा 18 87, आंध्र प्रदेश में 1740 और उत्तर प्रदेश में 1681 सक्रिय मामले बढ़े हैं वहीं तमिलनाडु में सर्वाधिक 698, नागालैंड में 52 और झारखंड में 32 सक्रिय मामले घटे हैं। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में मरीजों की संख्या 3,44 बढ़ने से सक्रिय मामले 1,46,612 हो गये तथा 316 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 16,792 हो गया। इस दौरान 10,854 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 3,16,375 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में मरीजों की संख्या 1740 बढ़ने से सक्रिय मामले 82,166 हो गये हैं। राज्य में अब तक 1753 लोगों की मौत हुई है, वहीं 8,516 लोगों के स्वस्थ होने से कुल 1,12,870 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं।

किफायती कोरोना वैक्सीन का दावा

225 रुपए में लगेगा कोरोना का टीका

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में ऑक्सफोर्ड की वैक्सीन तैयार करने वाले सीरम इंस्टीट्यूट की ओर से एक खबर आई है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और वैक्सीन अलायंस संस्था गावी के साथ एक करार किया है। इस करार के तहत भारत और निम्न आय वाले 92 देशों को मात्र 3 डॉलर यानी 225 रुपए में वैक्सीन मिल सकेगी। गेट्स फाउंडेशन वैक्सीन के लिए गावी को फंड उपलब्ध कराएगा, जिसका इस्तेमाल सीरम इंस्टीट्यूट वैक्सीन तैयार करने और वितरित करने में करेगा। वैक्सीन के ह्यूमन ट्रायल पूरे होते ही इसके उपलब्ध होने की सम्भावना है। सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ अदार पूनावाला के मुताबिक, वैक्सीन इस साल के अंत तक उपलब्ध हो सकती है। गावी गेट्स फाउंडेशन की ही एक संस्था है। जिसका मकसद निम्न आय वाले देश के लोगों को वैक्सीन उपलब्ध कराना है। वैक्सीन का वितरण कोवैक्स स्कीम के तहत किया जा रहा है। स्कीम का लक्ष्य विश्व स्वास्थ्य संगठन समेत दुनियाभर के लोगों तक कोविड-19 की वैक्सीन पहुंचाना है। कोवैक्स स्कीम का एजेंडा 2021 तक 200 करोड़ लोगों को वैक्सीन उपलब्ध कराना है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और एस्ट्राजेनेका कंपनी भारत के सीरम इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर वैक्सीन तैयार कर रही हैं। भारत में यह वैक्सीन कोविशील्ड के नाम से लॉन्च होगी। नेशनल बायोफार्मा मिशन एंड ग्रैंड चैलेंज इंडिया प्रोग्राम के तहत सरकार और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के बीच एक करार हुआ है। इस प्रोग्राम के तहत ही वैक्सीन का बड़े स्तर पर ट्रायल होगा।

सिख ग्रंथी से मध्य प्रदेश पुलिस की मारपीट का वीडियो वायरल

बड़वानी, एजेंसी। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में पुलिस की बर्बरता का वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें पलसूद पुलिस सिकलिकर समाज के युवक की बेदर्दी से पिटाई कर रही है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद जहां इस घटना की पूर्व सीएम कमलनाथ ने निंदा करते हुए कार्रवाई की मांग की है। वहीं एसडीओपी ने घटना की जांच के बाद कार्रवाई करने का भरोसा दिया है। पलसूद थाना क्षेत्र में सिकलिकर समाज के युवक प्रेमसिंग के साथ पुलिस ने बेरहमी से मारपीट की। इस मामले को लेकर प्रेमसिंग ने कहा कि वो ताला चाबी की दुकान लगाकर पुरानी पुलिस चौकी के पास बैठा था जहां पुलिसकर्मी आये और उससे पैसों की मांग करने लगे। मना करने पर पुलिसकर्मी ने उसकी पगड़ी उतार कर घसीटा और उससे बर्बरता पूर्ण मारपीट की।

बसपा विधायकों को सुप्रीम कोर्ट के नोटिस कराये तामिल

जैसलमेर, एजेंसी। राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा बहुजन समाजवादी पार्टी (बसपा) के छह विधायकों के कांग्रेस में सम्मिलित होने के मामले में जारी किए गए नोटिस आज विधायकों को तामिल कराये गये। जैसलमेर जिला सत्र न्यायधीश के न्यायालय रीडर एवं दो अन्य न्यायिक कर्मियों की टीम ने शुक्रवार को सूर्यगढ़ होटल में जाकर इन विधायकों को नोटिस तामिल करवाए। इस अवसर पर जैसलमेर पुलिस अधीक्षक अजय सिंह एवं अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे। इन बसपा विधायकों के शनिवार को इसका जवाब उच्च न्यायालय में दाखिल करने की संभावना है लेकिन इस मामले में राजनीति में उबाल आ गया हैं। कांग्रेस संगठन के महामंत्री के.सी. वेणुगोपाल व राजस्थान फाउंडेशन के धीरज श्रीवास्तव, अजय माकन के पुत्र ओजस्वी माकन आदि अन्य कुछ नेता दिल्ली से जैसलमेर पहुंचे है। इसके अलावा कांगेस के हाईकोर्ट के वकील भी जयपुर से जैसलमेर आए है। श्री वेणुगोपाल, वकील आदि इन छह विधायकों को वापस जवाब देने के लिये मदद कर रहे है। इसके साथ ही खान मंत्री प्रमोद जैन भाया दो अन्य विधायकों के साथ जयपुर रवाना हो गए। वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का जैसलमेर आने का कार्यक्रम भी आज खराब मौसम होने के कारण रद्द हो गया। अब उनके कल आने की संभावना है। कांग्रेस के विधायक हाकिम अली जयपुर से जैसलमेर वापस लौट आए हैं। कांग्रेस विधायकों एवं मंत्रियों के लिये खासतौर पर तनोट मंदिर खोल दिया गया। गुरूवार सांय एवं शुक्रवार सुबह कई मंत्रियों व विधायकों ने भारत पाक सीमा पर स्थित तनोट मातेष्वरी मंदिर के दर्शन किए व पूजा अर्चना की।

कमलनाथ पर भारी पड़ी राम भक्ति, कांग्रेस को जामिया निजामिया ने धमकाया

भोपाल, एजेंसी। अपने जनाधार को बचाने के लिए और भाजपा के हिंदुत्व की काट खोजने में जुटे कमलनाथ और कांग्रेस को राम भक्ति काफी भारी पड़ती नजर आ रही है। इस मामले में कांग्रेस का कुल वोट कहा जाने वाला मुस्लिम वर्ग अब उससे नाराज हो गया है मामले में गौरतलब बात यह है कि स्थानीय स्तर पर मुस्लिमों की नाराजगी के बाद इस विषय पर सीधे जामिया निजामिया ने संज्ञान लिया है और उन्होंने कमलनाथ और कांग्रेस को जताते हुए कहा कि मुसलमानों ने उस पर जो भरोसा किया था वह बेकार गया अब मुस्लिम वर्ग को फिर से सोचने की जरूरत है।राम मंदिर और कमलनाथ के भगवाधारी रवैये को देखते हुए जामिया निजामिया ने इस वाक्य के बाद से कौम की सभी महिलाओं को हमारा सलाह है कि आने वाले चुनाव में कमलनाथ और कांग्रेस पर भरोसा न करें।

मोदी सरकार बुनकर समुदाय के समग्र विकास के प्रति कटिबद्ध

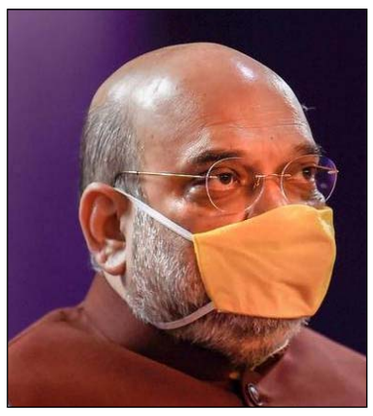

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर आज कहा कि मोदी सरकार बुनकर समुदाय के समग्र विकास के प्रति कटिबद्ध है। श्री शाह ने अपने ट्वीट संदेश में कहा कि 2014 के बाद पहली बार हमारे मेहनतकश बुनकरों के वास्तविक कौशल को विकसित कर बुनकरों को उनका उपयुक्त श्रेय दिया जा रहा है। उन्हे और प्रोत्साहन देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 में 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस घोषित किया ताकि बुनकरों को भारत के विकास की मुख्यधारा में शामिल किया जा सके। एक अन्य ट्विट में उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का 'वोकल फॉर लोकल' का मंत्र निश्चित रूप से हथकरघा क्षेत्र के मनोबल को बढ़ावा देगा। आइये हम सब मिलकर प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए हो रही चर्चा पर पूरे मामले से वाकिफ

लद्दाख में तनातनी खत्म करने को चीन ने दिया नया झांसा, लेकिन भारत अड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी लद्दाख में चीन से लगते वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर करीब 1597 किलोमीटर तक भारतीय सेना की तैनाती रहेगी जब तक की चीनी सेना अपने पूर्ववर्ती जगहों पर नहीं चली जाती है। सीमा पर चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के साथ हालात सामान्य करने की दिशा में असफल प्रयास के बाद पूरे मामले से वाकिफ सूत्र ने सहयोगी अखबार हिन्दुस्तान टाइम्स को यह बात बताई। भारत ने कई मौकों पर चीन से कहा है कि द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य बहाली के लिए उसे पूर्वी लद्दाख की टकराव वाली जगहों पर 20 अप्रैल से पूर्व की स्थिति में आना होगा। लेकिन, चीन ने ऐसा नहीं किया है। तनातनी को लेकर सरकार में हो रही चर्चा पर पूरे मामले से वाकिफ सरकार के आधिकारी सूत्र ने बताया, चीन की पीएलए ने इसे एक स्टारिंग मैच बना दिया है और चाहता है कि भारत हाथ पर हाथ धरे बैठा रहे। हम भी इंतजार कर इसकी तैयारी में थे कि ऐसे अन्य कदम उठाएं जाएं, ताकि सीमा विवाद के द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव का चीन को एहसास हो। भारत ने पहले ही करीब 100 से ज्यादा चीन के मोबाइल ऐप को बन कर दिया है। इसके साथ ही, सरकार ने ठेकों में चीन की कंपनियों को रोकने के लिए नियमों में बदलाव भी किया है। ऐसा माना जा रहा है कि चीन की यूनिवर्सिटी के साथ टाइ-अप पर कड़ी नजर रखी जा रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे मौजूदा मानदंडों का पालन कर रहे हैं। संदेश स्पष्ट है कि अगर कमांडर इन चीफ शी जिनपिंग के नेतृत्व में पीएलए सीमा से न हटते हुए पहले की स्थिति बहाल नहीं करती है, तो भारत और चीन के बीच संबंधों में और खराबी आएगी। हालांकि, चीन ने हार नहीं मानी है और वह इस उम्मीद में है कि भारत घरेलू दबाव में आकर गतिरोध को समाप्त कर देगा। चीन आसान रास्ता अपनाते हुए झूठ बोलते हुए दुनिया से कहा रहा है कि गतिरोध खत्म हो गया और लद्दाख में सेना के हटने की प्रक्रिया पूरी हो गई।

जम्मू कश्मीर की जनता के हित में संवैधानिक अधिकारों का उपयोग करेंगेः सिन्हा

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के नये उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि वह बिना किसी पक्षपात के राज्य की जनता की भलाई के लिये संवैधानिक अधिकारों का उपयोग करेंगे। श्री सिन्हा ने आज केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के दूसरे उपराज्यपाल की शपथ ग्रहण के बाद कहा कि बिना किसी भेदभाव के राज्य की जनता के कल्याणार्थ वह संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कहा, '' मैं राज्य की जनता को आश्वस्त करना चाहता हूं कि उनकी वाजिब शिकायतें सुनी जायेंगी और हम उनके समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे। मेरा लक्ष्य है कि राज्य में विकास की बहार को आगे ले जाऊं। उपराज्यपाल ने कहा कि भारत का कश्मीर स्वर्ग है । मुझे राज्य को आगे ले जाने में अपनी भूमिका निभाने का अवसर दिया गया है। पांच अगस्त एक महत्वपूर्ण तारीख है, इस दिन वर्षों तक जम्मू-कश्मीर अलग-थलग रहने के बाद मुख्यधारा से जुड़ा। वर्षों बाद यहां कई परियोजनाओं पर काम शुरु हुआ, मेरी प्राथमिकता इन परियोजनाओं के काम को तेजी से आगे बढ़ाने पर रहेगी। नरेंद्र मोदी सरकार ने गत वर्ष पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधानों और धारा 35 ए समाप्त कर दी थी और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया था। राज्य का पहला उपराज्यपाल गिरीश चंद्र मुर्मु को बनाया गया था। श्री मुर्मू को केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर का एक वर्ष पूरा होने पर हटाकर श्री सिन्हा को यह जिम्मेदारी दी गई है। श्री मुर्मू को देश का नया नियंत्रक एवं लेखा महापरीक्षक (कैग) नियुक्त किया गया है।

केरल लैंडस्लाइड हादसे पर मोदी ने जताया दुख, अब तक 15 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल में हुए भूस्खलन में मारे गए लोगों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना दुख जाहिर किया है। इस हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 53 अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मृतकों के परिवारवालों के लिए उनकी सांत्वना है। पीएम मोदी ने कहा कि इडुक्की के राजमाला में भूस्खलन की वजह से अपनी जान गंवाने वालों के लिए मैं दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में मृतकों के परिजनों के लिए मेरी सांत्वना है। हादसे में घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। राष्ट्रीय सुरक्षा आपदा बल (एनडीआरएफ) और प्रशासन घटनास्थल पर काम कर रहे हैं और प्रभावितों को सहायता मुहैया करा रहे हैं। इसके साथ ही हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 2 लाख रुपए और घायलों के लिए 50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दिए जाने की घोषणा की गई है।गौरतलब है कि इडुक्की जिले के राजमाला स्थित पेत्तिमुदी में मूसलाधार बारिश के कारण शुक्रवार (7 अगस्त) की सुबह हुए भूस्खलन से पांच मजदूरों सहित 15 लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कम से कम 70 लोगे के वहां फंसे होने की आशंका है। भूस्खलन के कारण करीब 20 मजूदरों के घर वहां मलबे में दब गए हैं। पुलिस और दमकल कर्मी मौके पर मौजूद हैं और जिला प्रशासन ने अस्पतालों से भी हर स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहने को कहा है। राय स्वास्थ्य विभाग ने 15 एम्बुलेंस और एक विशेष चिकित्सक दल को रवाना किया है। इस बीच, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने वायुसेना से सम्पर्क कर इडुक्की में बचाव अभियान में मदद के लिए उनके हेलीकॉप्टर की मांग की। विजयन ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को इडुक्की में बचाव अभियान में लगाया गया है।

मुलायम सिंह यादव की तबीयत बिगड़ी लखनऊ मेदांता अस्पताल में भर्ती

लखनऊ, एजेंसी। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की तबीयत एक बार फिर बिगड़ गई है। मुलायम को लखनऊ मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुलायम को पेट में दर्द और पेशाब में संक्रमण की समस्या है। मेदान्ता अस्पताल के निदेशक डॉ. राकेश कपूर का कहना है कि अस्पताल के नदिशक डॉ. राकेश कपूर के मुताबकि मुलायम सहि के गुरुवार को पेट दर्द होने लगा। दोपहर साढ़े बारह बजे उन्हें अस्पताल लाया गया। यहां भर्ती कर कोरोना टेस्ट कराया गया। कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आई। मुलायम का अल्ट्रासाउंड, ब्लड टेस्ट, यूरनि टेस्ट भी कराया गया है। उनको पेशाब में संक्रमण की समस्या है। इसका इलाज चल रहा है। आपको बता दें कि 80 वर्षीय सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव कई महीनों से बीमार चल रहे हैं। उनके पेट में लगातार तकलीफ बनी है। इससे पहले उन्हें पेट में सूजन और दर्द होने पर मेदांता अस्पताल में भर्ती किया गया था। जांच में पाया गया कि बड़ी आंत में समस्या है। कोलोनोस्कोपी करके साफ किया गया था। इसके बाद सेहत में सुधार होने पर डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने लखनऊ कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ से भेंट की

सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने लखनऊ कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ से भेट की।

कोविड-19 के चलते रोजगार में प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के कारण मध्यम आय वर्ग को हो रही दिक्कतों व 6 सूत्रीय मांगो को लेकर लखनऊ डीएम कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करते उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी के सदस्य।

कोविड-19 के सम्बन्ध में राज्य मुख्यालय तथा जनपदों में संचालित इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सिस्टम पूरी सक्रियता से कार्य करें

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोविड-19 के सम्बन्ध में राज्य मुख्यालय तथा जनपदों में संचालित इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सिस्टम पूरी सक्रियता से कार्य करे। उन्होंने कहा कि यदि किसी जनपद में इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेन्टर सुचारु रूप से कार्य नहीं करेगा तो सम्बन्धित जिलाधिकारी की जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक मे अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए पूरी सतर्कता बरतने के साथ-साथ प्रत्येक स्तर पर प्रभावी कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे कोविड-19 के दृष्टिगत व्यवस्थाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिलाधिकारी इस दिशा में अपने जनपद में की जा रही कार्यवाही की प्रतिदिन सुबह व शाम नियमित तौर पर समीक्षा करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी सरकारी तथा निजी चिकित्सालयों में मेडिकल संक्रमण से सुरक्षा के समस्त प्रबन्ध किए जाएं। इसके साथ ही, समस्त सरकारी एवं निजी अस्पतालों में फायर सेफ्टी की भी प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने डी0जी0, फायर सर्विस को अग्नि सुरक्षा के सम्बन्ध में समस्त चिकित्सालयों का निरीक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने डोर-टू-डोर सर्वे के कार्य को प्रभावी ढंग से जारी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि

कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग का कार्य सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न किया जाए। होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेन्टर द्वारा प्रतिदिन प्राप्त की जाए। एल-2 तथा एल-3 कोविड अस्पतालों में बेड्स की संख्या में वृद्धि की जाए। उन्होंने जनपद लखनऊ, कानपुर नगर, वाराणसी, आजमगढ़, प्रयागराज, गोरखपुर तथा बरेली में विशेष सतर्कता बरतते हुए इन जिलों की चिकित्सा व्यवस्थाओं को बेहतर किए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जनपदों में स्थापित जिला सेवा योजन कार्यालय तथा जिला उद्योग केन्द्र को सक्रिय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बाढ़ व जलमग्न क्षेत्रों में प्रभावित लोगों को समय से राहत सामग्री उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राहत कार्यों को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त नावों का प्रबन्ध किया जाए। इस अवसर पर मुख्य सचिव आर0के0 तिवारी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव राजस्व रेणुका कुमार, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एस0पी0 गोयल, पुलिस महानिदेशक हितेश सी0 अवस्थी, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा डॉ0 रजनीश दुबे, अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास तथा पंचायतीराज मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव एम0एस0एम0ई0 नवनीत सहगल, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव पशुपालन भुवनेश कुमार, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अनंत देव पर भ्रष्टाचार निवारण एक्ट में एफआईआर प्रस्तुत

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने पूर्व एसएसपी कानपुर नगर अनंत देव तथा पूर्व एसओ चौबेपुर विनय तिवारी द्वारा जुआ खिलवाने के लिए पैसे लेने के मामले में एफआईआर की मांग की है,डीजीपी एचसी अवस्थी तथा एसीएस होम अवनीश अवस्थ को भेजी गयी अपनी शिकायत में नूतन ने कहा कि दिवंगत सीओ देवेन्द्र मिश्रा तथा उनके सीनियर अफसर के बीच बातचीत की ऑडियो में एसओ चौबेपुर विनय तिवारी द्वारा अपने थाना क्षेत्र में अवैध ढंग से जुआ खिलवाने के लिए रु0 1.5 लाख प्रति माह लेने तथा सीओ द्वारा इस बारे में शिकायत करने पर अनंत देव द्वारा विनय तिवारी से रु0 5 लाख लेकर मामले को रफादफा करने के आरोप हैं,नूतन ने कहा कि अनंत देव तथा विनय तिवारी के ये कृत्य भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के अंतर्गत संज्ञेय अपराध हैं. उन्होंने कहा कि चूँकि यह प्रकरण एक आईपीएस अफसर से संबंधित है, अतः इस संबंध में कोई भी एफआईआर डीजीपी के आदेशों के बाद ही हो सकती है। अतः नूतन ने इस प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए इसके संबंध में एफआईआर दर्ज करने के आदेश देने की मांग की है।

रेप पीड़ित अधिवक्ता द्वारा न्याय की गुहार

लखनऊ, संवाददाता। नगर निगम के सरकारी अधिवक्ता शैलेन्द्र सिंह चौहान पर थाना विभूतिखंड में बलात्कार का मुकदमा दर्ज कराने वाली युवा महिला अधिवक्ता ने न्याय के लिए गुहार लगायी है. उनके द्वारा जारी विडियो में कहा गया है कि बलात्कार का मुकदमा दर्ज होने के बाद भी अब तक न तो शैलेन्द्र सिंह की गिरफ्तारी की गयी है और न ही उन्हें नगर निगम के सरकारी अधिवक्ता के पद से हटाया गया है. यहाँ तक कि पुलिस द्वारा अपेक्षित कार्यवाही नहीं की जा रही जिसके कारण अभियुक्त द्वारा साक्ष्य मिटाए जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि यह सरकार महिलाओं को न्याय दिलाने का बड़े-बड़े दावे करती है किन्तु उनके मामले में कोई न्याय नहीं हो रहा है।

सेना प्रमुख जनरल एमएमन रवणे ने मुख्यालय मध्य कमान का दौरा किया

लखनऊ, संवाददाता। सेना प्रमुख, जनरल एमएमन रवणे, परम विशिष्ट सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक, सेना पदक, विशिष्ट सेवा पदक, एडीसी, ने आज लखनऊ छावनी स्थित मुख्यालय मध्य कमान का दौरा किया। सेना प्रमुख को मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल आईएस घुमन, परम विशिष्ट सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक द्वारा सैन्य आपरेशनल और प्रशासनिक दोनों पहलुओं पर जानकारी दी गई। जनरल नरवणे ने मध्य क्षेत्र में सैन्य बलों की क्षमता वृद्धि और आपरेशनल प्रभावशीलता और बुनियादी ढांचे के विकास को सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया।

स्वतंत्रता दिवस पर सभी धार्मिक स्थलों पर विशेष प्रार्थना सभाओं का होगा आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। जिला अधिकारी अभिषेक प्रकाश के निर्देशानुसार पूर्व की भाँति 15 अगस्त 2020 स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनपद के सभी मन्दिरों, गुरूद्वारों, बहाई धर्म स्थलों एवं बौद्व धर्म स्थलों एवं अन्य धर्म स्थलों पर राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर राष्ट्र की प्रगति समृद्वि एवं उन्नति के लिये विशेष प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया जायेगा। अपर जिलाधिकारी नगर पूर्वी के0पी0 सिंह ने इस आशय की जानकारी आज यहां दी। उन्होने बताया कि मन्दिरों हेतु श्री पंडित हरि प्रसाद, मस्जिदों हेतु श्री मौलाना खालिद रसीद फिरंगी महली, गुरूद्वारों हेतु अध्यक्ष गुरू सिंह सभा गुरूद्वारा नाका,आलमबाग, गिरिजाघरो हेतु श्री विशप चर्च,सिविल वैक्लेन, बहाई धर्म स्थलों हेतु श्री भारती गांधी बहाई केन्द्र जे0सी0बोस मार्ग तथा सभी बौद्व धर्म स्थलों हेतु श्री भिक्षु प्रज्ञानन्द, रिसालदार पार्क लखनऊ को कार्यक्रम संयोजक मनोनीत किया गया है।

फ्लिपकार्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओडीओपी योजना के लिए किया करार

लखनऊ, संवाददाता। भारत के स्वदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने आज उत्तर प्रदेश सरकार की वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट योजना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस करार के चलते, योजना से जुड़े कारीगरों, बुनकरों और शिल्पियों को फ्लिपकार्ट समर्थ से जोड़ा जाएगा। इस भागीदारी के तहत,उत्तर प्रदेश के कम सेवा-प्राप्त समुदायों को अपने विशिष्ट उत्पादों तथा शिल्पों को देशभर के लाखों उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की सुविधा मिलेगी। फ्लिपकार्ट समर्थ इन कारीगरों को प्लेकटफार्म से जुड़ने में मदद देते हुए उन्हें मुफ्त कैटलॉगिंग, मार्केटिंग, एकाउंट मैनेजमेंट, बिजनेस की जानकारी और वेयरहाउसिंग सपोर्ट प्रदान करेगा। इस समझौता ज्ञापन के बारे में, नवनीत सहगल, अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस), एमएसएमई एवं एक्सपोर्ट प्रमोशन, उत्तर प्रदेश सरकार, ने कहा, श्श्वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट योजना को एमएसएमई बढ़ावा देने के मकसद से पेश किया गया था और इसके जरिए उत्तर प्रदेश की विशिष्ट तथा मूल विरासत को भी प्रोत्सा हन मिला। हमें पूरा भरोसा है कि फ्लिपकार्ट के साथ भागीदारी से राज्य में कारीगरों और एमएसएमई को अपना कारोबार आगे बढ़ाने तथा अपने कौशलों को राष्ट्रीय स्तर पर ग्राहकों तक ले जाने का अवसर मिलेगा। रजनीश कुमार, चीफ कॉपोर्रेट अफेयर्स अधिकारी, फ्लिपकार्ट ग्रुप ने कहा, श्श्हम ई-कॉमर्स के जरिए टैक्नोलॉजी और इनोवेशन की ताकत का इस्तेमाल करते हुए कारीगरों और शिल्पियों को अपनी संपूर्ण क्षमता का लाभ उठाने में मदद कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की कला और हस्तपशिल्प अब देशभर के 250 मिलियन से अधिक ग्राहकों तक उपलब्ध होगी।

कोरोना काल मे सोशल मीडिया के माध्यम से अटेवा का संघर्ष जारी

लखनऊ, संवाददाता। आज सरकारी कर्मचारियों को वैसे ही कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिसमे सबसे प्रमुख समस्या पुरानी पेंशन की बहाली को लेकर है। इसी बीच सरकार ने तमाम सरकारी विभागों का निजीकरण करना प्रारम्भ कर दिया। जिससे कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार की अन्य समस्याओं से रूबरू होना पड़ रहा है। निजीकरण सरकारी कर्मी ही नहीं बल्कि देश और जनता दोनों किसी के हित में नहीं हैं, क्योंकि निजीकरण वह व्यवस्था है जिसका उद्देश्य लाभ कमाना होता है न कि जनता की सेवा करना। इसको लेकर सभी विभागों के कर्मचारियों व आम जनता में भारी रोष है। अटेवाध्न.एम.ओ.पी.एस. पुरानी पेंशन बहाली को लेकर पहले से ही संघर्षरत है। और लगातार विभिन्न माध्यमों से सरकारों तक अपनी

समस्याओं को पहुँचाते रहे हैं। इसी क्रम में अगस्त क्रान्ति की वर्षगाँठ पर एन.एम.ओ.पी.एस ने तीन कार्यक्रम तय किए और अपनी समस्या को माननीय प्रधानमंत्री जी एवं माननीय मुख्यमंत्री जी तक पहुंचाने का निर्णय लिया। एन. एम.ओ.पी.एस. के राष्ट्रीय अध्यक्ष व अटेवा के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बन्धु ने बताया की छठै अथवा नयी पेंशन व्यवस्था निजीकरण का ही एक अंग है, इस छोटे निजीकरण का आज तक लोग दंश झेल रहे हैं, यह न देश के हित में हैं न देशवासियों के। अटेवा के प्रदेश महामंत्री डॉ नीरजपति त्रिपाठी ने बताया कि जिस तरह से देश वासियों ने अंग्रेजों से लड़ाई लड़कर भारत को स्वतंत्र कराया जिसका एक निर्णायक आंदोलन भारत छोड़ो आंदोलन था उसी प्रकार हम नई पेंशन व्यवस्था व निजीकरण के खिलाफहै और इन्हें भी भारत छोड़ना पड़ेगा। विगत 3 अगस्त को पूरे देश मे महिला कर्मियों ने ट्वीटर के माध्यम से रुपेंशनराखी हैशटैग के साथ प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को टैग कर राखी ट्वीट कर बदले में पुरानी पेंशन बहाली की माँग की, इस कार्यक्रम में पूरे देश से मातृशक्तियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और कार्यक्रम सफल बनाया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगाँठ पर 8 अगस्त को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री को पूरे देश के शिक्षक, कर्मचारी ईमेल करके पुरानी पेंशन बहाली के ज्ञापन सौंपेंगे और बुढ़ापे की लाठी पुरानी पेंशन बहाली की माँग करेंगे।

भातखण्डे संगीत संस्थान का कराया जायेगा जीर्णोद्धार

संगीत संस्थान को बनाया जायेगा स्मार्ट संगीत संस्थानः मण्डलायुक्त

लखनऊ, संवाददाता। मण्डलायुक्त मुकेश कुमार मेश्राम ने आज भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय कैसरबाग लखनऊ का निरीक्षण किया। इस अवसर पर नगर आयुक्त डा0 इन्द्रमणि त्रिपाठी सहित विश्व विद्यालय के प्रोफेसर व सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के पश्चात मण्डलायुक्त ने संगीत संस्थान के प्रोफेसर व सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक कर निम्न निर्देश दिये। संगीत की तीनों विधाओं गायनए वादन एवं नृत्य पर त्रैमासिक डिजिटल व प्रिन्टेड शोध पत्रिका प्रकाशित करायी जायें। शैक्षणिक गुणवत्ता में वृद्धि हेतु साल भर की एकेडमिक गतिविधियों के कलेन्डर को विशेषज्ञता के साथ तैयार कर लागू कराया जाये।अन्य देश.विदेश के प्रसिद्ध संगीत विश्वविद्यालयों के साथ एम0ओ0यू0 किया जाये जिसके अर्न्तगत स्टूडेन्ट व फैकेल्टी मइबींदहम प्रोग्राम हो संस्थान द्वारा वेबीनार व सेमिनार आयोजित किये जायें। म्यूजिक थेरेपी यसंगीत चिकित्सा, पर के0जी0एम0यू0,एस0जी0पी0जी0 आई0के साथ मिलकर शोध किया जायें। युवाओं के मध्य भारतीय लोक संगीत, शास्त्रीय संगीत की उपयोगिता, प्रासंगिकता व महत्वा के सम्बन्ध में कार्य किया जायें।लुप्त होते हुए वाद्य यंत्रो, लोकसंगीत को संग्रहित किया जाये, इस विषय से जुड़े पुराने ग्रन्थों व वाद्य यंत्रों को लोगों से उपहार स्वरूप प्राप्त करते हुए उनके नाम का उल्लेख करते हुए म्यूजियम की स्थापना हेतु प्रस्ताव तैयार कराया जायें।आल इण्डिया रेडियों, आकाशवाणी से अति प्राचीन संगीत को प्राप्त कर, संग्रहित कर उसको लोक प्रिय बनाने व आगे बढ़ाने का कार्य किया जाये। सभी शिक्षक व स्टाफनियमित संस्थान आये तथा अपना-अपना कार्य करें, टाइम टेबल बनाकर पाठ्यक्रम के अनुसार आनलाइन सभी कोर्स की पढ़ाई की व्यवस्था सुनिश्चित करायें।संस्थान में कार्यरत नियमित व आउटसोर्स कर्मचारी अनुशासित होकर अपना-अपना कार्य करे।बिना अवकाश स्वीकृत कराये कोई कर्मचारी अनुपस्थित होता है तो उसके विरूद्ध कार्यवाही की जाये उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में दो मुख्य शैक्षणिक बिल्डिंग है एक का निर्माण 1852 तथा दूसरी बिल्डिंग का निर्माण 1960 में हुआ था। उन्होंने कहा कि यह एक एतिहासिक बिल्डिंग है जिसके संरक्षण व सौन्दर्यीकरण कराये जाने की आवश्यकता है।

योगी के मस्जिद शिलान्यास में नहीं जाने के बयान पर विपक्ष की तीखी प्रतिक्रिया

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस बयान कि योगी और हिन्दू होने के नाते वह अयोध्या में मस्जिद के संग-ए-बुनियाद समारोह में नही जायेंगे, पर प्रतिक्रिया करते हुए समाजवादी पार्टी ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें अपने इसके लिये लोगों से माफी मांगनी चाहिये, क्योंकि वह पूरे राज्य के मुख्यमंत्री हैं। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता पवन पांडेय ने कहा, ऐसा कह कर योगी जी ने अपनी उस शपथ का उल्लंघन किया है जो उन्होंने मुख्यमंत्री पद ग्रहण करने के पहले ली थी। वह पूरे राज्य के मुख्यमंत्री हैं न कि केवल हिन्दुओं के। प्रदेश में हिन्दू और मुसलमानों की जो भी आबादी हो, वह सभी के मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्री की यह भाषा गौरव को कम करती है। पांडेय ने कहा, उन्हें

इसके लिये लोगों से माफी मांगनी चाहिये। मुख्यमंत्री के इस बयान के बारे में जब कांग्रेस के मीडिया संयोजक लल्लन कुमार से बात की गयी तो उन्होंने कहा, हमें उनके मस्जिद पर दिये गये बयान के बारे में कुछ नही कहना है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री को मालूम होना चाहिये कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी अयोध्या गये थे और ताला खुलवाया था। वे गलत हिन्दुत्व की राजनीति कर रहे है जबकि कांग्रेस हमेशा लोगों की भलाई के लिये काम करती है। भगवान राम सबके हैं जबकि भाजपा दिखाना चाहती है कि राम केवल उनके हैं, यह उनकी गलतफहमी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को एक निजी टीवी चौनल को दिये गये साक्षात्कार में कहा था, एक योगी और हिन्दू होने के नाते वह अयोध्या में मस्जिद के शिलान्यास समारोह में नही जायेंगे। उन्होंने कहा था, अगर आप एक मुख्यमंत्री की हैसियत से यह सवाल पूछ रहे हैं तो मुझे किसी धर्म, मान्यता या समुदाय से कोई परहेज नहीं है। लेकिन अगर आप मुझसे एक योगी के रूप में पूछ रहे है तो मैं हरगिज नहीं जाऊंगा, क्योंकि एक हिन्दू के रूप में मुझे अपनी उपासना विधि का पालन करने का अधिकार है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं न तो वादी हूं और न ही प्रतिवादी, इसलिये न तो मुझे बुलाया जायेगा और न ही मैं जाऊंगा। मुझे मालूम है कि मुझे इसका निमंत्रण नही मिलेगा। जिस दिन उन लोगो ने मुझे बुला लिया उस दिन कई लोगो की धर्म निरपेक्षता खतरे में पड़ जाएगी। इसलिये मैं नहीं चाहता है कि किसी की धर्मपिरपेक्षता खतरे में पड़े और मैं इसी लिये खामोशी से बिना किसी भेदभाव के काम कर रहा हूं ताकि सरकार की योजनाओं को सबको सामान्य रूप से लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा, सिर पर टोपी लगाकर रोजा इफ्तार करना कोई धर्मनिरपेक्षता नहीं है। लोग जानते हैं कि यह ढोंग है और लोग इसकी वास्तविकता भी जानते है। कांग्रेस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया, कांग्रेस कभी समाधान नहीं चाहती थी वो अपने राजनीतिक फायदे के लिये विवाद जारी रखना चाहती थी।

कांग्रेस का फीस माफी, अधिवक्ताओं , शिक्षकों को आर्थिक राहत दिए जाने को लेकर प्रदेशव्यापी प्रदर्शन कर राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

➲ सभी बोर्ड के विद्यार्थियों की 4 माह की फीस माफ हो-अजय कुमार लल्लू ➲ प्रदेश के लाखों अधिवक्ताओं को 10 हज़ार प्रति माह की दर से भुगतान करे योगी सरकार-अजय कुमार लल्लू ➲ मध्यम वर्ग द्वारा बुनियादी जरूरतों के लिए, लिए गए ऋण पर 20 हज़ार तक की रकम माफ हो- अजय कुमार लल्लू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस पार्टी ने विगत 4 माह से वैश्विक महामारी कोविड-19 के चलते रोजगार में प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के कारण लाखों मध्यम आय वर्ग के परिवारों को हो रही मुश्किलों को लेकर योगी सरकार से तत्काल राहत देने की मांग ज़ोरदार ढंग से उठाते हुए प्रदेश व्यापी धरना प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा।

उक्त धरना प्रदर्शन प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के निर्देश पर सोशल डिस्टनसिंग व महामारी नियमो का पालन करते हुए पूरे सूबे में जोरदार तरीके से सम्पन हुआ। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने जारी बयान में कहा कि वैश्विक महामारी कोविड 19 के चलते लाखों मध्यम आयवर्ग के परिवारों की आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है । इसके चलते वो लगातार मुश्किलों का सामना कर रहे है। ऐसे हालात में योगी सरकार को इन परिवारों के लिए तत्काल फौरी आर्थिक राहत पैकेज की घोषणा करनी चाहिए । प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने अपने बयान में कहा कि प्रदेश के समस्त बोर्ड के विद्यार्थियों की 4 माह की फीस पूरी तौर पर माफ की जाये। साथ ही साथ समस्त प्राइवेट विद्यालयों के शैक्षणिक स्टाफ सहित अन्य कर्मचारियों को कम से कम 8 हज़ार रुपये प्रतिमाह की दर से आर्थिक सहायता प्रदान की जाये। उन्होंने आगे कहा कि योगी सरकार यह सुनिश्चित कराये कि विद्यालयों की पाठ्यपुस्तकों में कोई रद्दोबदल न हो और न ही बच्चों की ड्रेस बार बार बदली जाये।

प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने अपने बयान के माध्यम से प्रदेश के समस्त अधिवक्ताओं के लिए भी आर्थिक पैकेज की मांग की। उन्होंने कहा कि समस्त न्यायालयों में कार्य बंद होने के कारण अधिवक्ता बंधुओं की आमदनी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है । ऐसे में योगी सरकार को समस्त अधिवक्ता बंधुओ के लिए 10 हज़ार रुपये प्रतिमाह सहयोग राशि मानदेय के रूप में प्रदान करने की व्यवस्था करें। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने अपने बयान में कहा कि मध्यम वर्ग के वह परिवार जिन्हें न तो प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिला है न ही सरकार की अन्य पेंशन आदि योजनाओं का लाभ मिला है और उनकी वार्षिक आमदनी दो लाख रूपये से कम है ऐसे लोग जिन्होने मकान, वाहन या अन्य बुनियादी जरूरतों के लिए लोन ले रखा है उनकी 4 महीने की इएमआई या मनरेगा मजदूरों के मानदेय के बराबर 20 हजार रूपये तक की रकम माफ करके उनको इस कोविड-19 महामारी में आयी बेकारी से सरकार राहत करवाये।

भाकियू लोकतांत्रिक संगठन का किया गया विस्तार

07-08-2020 को आज भारतीय किसान यूनियन लोकतांत्रिक संगठन के पूर्व वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष लखनऊ जिला प्रभारी हरदोई श्री अतुल कुमार जी ने संगठन का विस्तार करते हुए श्रीमती रेखा देवी जी को महिला मोर्चा ब्लाक मलिहाबाद उपाध्यक्ष नियुक्त कर नियुक्ति पत्र प्रदान किया और संगठन के नियमों को बताया इस मौके पर युवा मोर्चा जिलाउपाध्यक्ष लखनऊ योगेश यादव जी ब्लाक उपाध्यक्ष सुनील द्विवेदी जी सज्जन सिंह जी सहित अन्य साथी उपस्थित रहे।

मंगलपुर टकौली व नोनारा गांव के आधा सैकड़ा ग्रामीणों का स्वास्थ्य टीम ने लिए जांच सैंपल

जहानाबाद, फतेहपुर ! विकासखंड अमौली क्षेत्र के ग्राम मंगलपुर टकौली व नोनारा में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जगह-जगह एंटीलावा का छिड़काव कराने के साथ-साथ 45 मरीजों की ओपीडी तथा 8 मरीजों को मलेरिया की स्लाइड तथा 8 मरीज बुखार खांसी जुकाम आदि से पीड़ितों को दवा का वितरण किया आपको बता दें इन दिनों विकासखंड अमौली क्षेत्र के नोनारा व मंगलपुर टकौली में विचित्र बुखार जैसी बीमारियों के चलते कई मरीज मौत की आगोश में समा चुके हैं राजनीतिक दलों ने रोजाना इन गांव पर उचित स्वास्थ्य सेवाओं की मांग करते नजर आ रहे हैं बीते दिन सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी की जिला पंचायत सदस्य जयंती देवी वर्मा ने गांव में पहुंच जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी से वार्ता कर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के साथ-साथ गांव में दवा वितरण तथा कीटनाशक दवा की छिड़काव की मांग की थी वही कल देर शाम कांग्रेस आई के जिला अध्यक्ष अखिलेश पांडे पूर्व चेयरमैन हाफिज अनवारुल हक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुधाकर अवस्थी शिवाकांत तिवारी जीशान कुरैशी सहित एक जत्था पहुंच गांव में भ्रमण कर स्वास्थ्य विभाग पर सवालिया निशान खड़े किए थे इसके चलते आज अमौली स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ पुष्कर कटियार डॉ श्याम डॉ सुनील व शैलेंद्र आदि ने गांव में कैंप लगाकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें दवा वितरण तथा रात में सोने के समय मच्छरदानी का प्रयोग पानी उबालकर पीने सहित कोई भी दवा चिकित्सकों के परामर्श पर ही लेने की सलाह दी इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजू सहित ग्रामीण मौजूद थे।

सी.एम.एस. का एक और छात्र बना आई.ए.एस.

लखनऊ, संवाददाता। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, आर.डी.एस.ओ. कैम्पस के एक और छात्र शिखर चौधरी (97वीं रैंक) ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) में चयनित होकर विद्यालय का नाम पूरे देश में गौरवान्वित किया है। सी.एम.एस. महानगर कैम्पस के छात्र प्रियम्वद यादव (157वीं रैंक) भी इस वर्ष आई.ए.एस. में चयनित हुए हैं। इस प्रकार, अभी तक की जानकारी के अनुसार इस वर्ष सी.एम.एस. के दो छात्रों ने आई.ए.एस. बनकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। यह जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि सी.एम.एस. के इन सभी होनहार छात्रों की अभूतपूर्व सफलता पर पूरे सी.एम.एस. परिवार को गर्व है, जिन्होंने अपनी मेधा, प्रतिभा व लगन से सी.एम.एस. के स्वर्णिम इतिहास में नया कीर्तिमान जोड़ा है एवं पूरे देश में सी.एम.एस. का नाम रोशन किया है।

कस्बे में सुअरो के विचरण से मार्ग दुर्घटनाओं में हो रही वृद्धि

जहानाबाद, फतेहपुर ! प्रशासन की अनदेखी के चलते कस्बे में सुअरों के स्वच्छंद विचरण पर रोक नही लग पा रही जिससे आए दिन हो रही दुर्घटनाओं में अपनी स्कूटी से वापस आ रहे कानपुर से प्रकाशित एक हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार सुअर से टकराकर घायल हो गये जिन्हे एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया।

कस्बा जहानाबाद सहित उससे सटे ग्राम पोजेपुर सूअर पालकों द्वारा दिन-रात उन्हें आवारा छोड़ दिए जाते हैं जिससे कस्बे में गंदगी फैलाने के साथ ही मार्गों से निकलने वाले वाहन चालकों के टकराने से आयेदिन दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे हैं शुक्रवार को सुबह दस बजे अपनी स्कूटी से समाचार संकलन करने बाद वापस मोहल्ला लालूगंज स्थित अपने आवास आ रहे एक हिंदी दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार रामाधार उमराव ग्राम पोजेपुर के सामने हाईवे मार्ग पर अचानक सुअर स्कूटी के सामने आ जाने से उससे टकराकर गंभीर रूप से चोटिल हो गए जिन्हें इलाज हेतु एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया।

इतना ही नहीं सुअर पालकों द्वारा दिन रात आवारा छोड़ दिया जाता है जिससे सुअर भोर पहर से लेकर रात तक लोगों के दरवाजे व दुकानों के सामने गंदगी फैलाते रहते हैं आवारा सुअरों के स्वच्छंद विचरण पर प्रशासन रोक लगा पाने में नाकाम साबित हो रहा है!

करंट से चिपककर मवेशी की मौत

मवेशियों के सहारे हो रहा था परिवार का जीवन यापन

धाता, फतेहपुर ! थाना क्षेत्र के भूला गांव में विद्युत विभाग की लापरवाही से दुधारू मवेशी की मौत हो गई। गांव के रहने वाले स्व. शारदा प्रसाद के घर का मवेशियों के दूध बिक्री से गुजर-बसर हो रहा था। दुधारू मवेशी की मौत से विधवा महिला व परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया।

शुक्रवार दोपहर रोजाना की तरह ही उर्मिला देवी पत्नी स्व. शारदा प्रसाद मवेशियों को लेकर जंगल गई थी। बताते हैं घास चरते समय एक भैस खंभा के स्टे वायर में उतरे करंट से चिपक गई। महिला ने आस-पास के लोगों को शोर मचाकर इसकी जानकारी दी। जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचकर मवेशी को तार से बाहर निकालते, वह मर गई। विधवा महिला ने बताया कि मवेशियों का दूध बेंचकर वह परिवार का खर्च चलाती हैं। दुधारू मवेशी की मौत से महिला व उसके परिवार के लोग परेशान हैं। बिजली विभाग के अधिकारियों को घटना के बारे में सूचित किया गया है। मौके पर शाम तक कोई भी जिम्मेदार नहीं पहुंचा था।

स्वच्छता अभियानों को मुंह चिढ़ा रही गंदगी

लाख प्रयास के बावजूद स्वच्छ नहीं हो सके गांव, ग्राम पंचायतों की अनदेखी बड़ा विषय

खागा, फतेहपुर ! धाता दक्षिण खात चौक पर में लगा कूड़े का अम्बार जो ग्राम प्रधान को कई बार सूचित करने के बाद भी प्रधान की लापरवाही से नहीं हुई कई सालो से साफ सफाई उसके बावजूद स्थिति में सुधार नहीं आ रहा। गांवों की गलियों में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं।

नालियों का पानी सड़क पर बह रहा है। स्वच्छता के नाम पर गांवों में अभियान तो चलाए जाते है लेकिन जमीनी स्तर पर इनका असर देखने को नही मिलता। वर्तमान में कई ग्रामों में अस्वच्छता पसरी हुई है। कहीं पर सड़कों पर गंदा पानी बह रहा है, तो कही पर कूड़ा गांवो की सड़कों व सार्वजनिक स्थानों पर पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार विकासखंड धाता के कई ग्रामों में गंदगी फैली हुई है। ग्राम प्रधान द्वारा साफ सफाई व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। विकासखंड के ग्राम धाता, सहित अनेक ऐसे गांव हैं, जहां पर अस्वच्छता के कारण ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति में अंदाजा लगाया जा सकता है कि अन्य गांवों में क्या स्थिति रहती होगी।

धाता दक्षिण खात में लगा गंदगी का अम्बार विकासखंड धाता ब्लॉक के सबसे करीबी गांव धाता दक्खिन खात में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। गांव के हर मोहल्ले में कूड़ा कचरा एवं कीचड़ के ढेर लगे हुए है । पंचायत द्वारा धाता बाजार में कभीकभार सफाई कराई जाती है, लेकिन गंदगी बढ़ाने वालों से सख्ती से नहीं निपटा जाता। उन्हें रोका नहीं जाता। धाता दक्खिन खात (चौक पर) में राजेन्द्र टेलर के घर के सामने कूड़े का ढेर लगा हुआ है। जिसकी शिकायत कई बार ग्राम प्रधान को दी गई और ग्राम प्रधान इस बात में किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की।

एलडीए ने अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया

लखनऊ, संवाददाता। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शिवाकान्त द्विवेदी ने लखनऊ शहर में हो रहे अवैध निर्माणों के विरूद्ध कार्यवाही करने के दिये गये आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज कार्यवाही की गयी, रफीक भाई पुत्र हाजी चूना खान द्वारा दुर्गागंज चौराहा से काकोरा कस्बे की तरफ जाने पर दायें हाथ पर, मौजा-काकोरी, लखनऊ पर बिना मानचित्र स्वीकृत कराये अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा था। उक्त के विरूद्ध वाद संख्या 176/2019 योजित किया गया था। अनाधिकृत रूप से भूखण्ड विकसित किये जाने पर विहित प्राधिकारी-ऋषु सुहास द्वारा पारित ध्वस्तीकरण के आदेश का अनुपालन किया गया। राम नरेश यादव, सी.एम.डी., मेसर्स देवपुरी इन्फ्रा प्रा.लि., रजिस्टर्ड आफिस, मोहान रोड, लखनऊ द्वारा आराजी संख्या 1853 एवं 1836, ग्राम-बड़ा गांव, परगना-काकोरी, लखनऊ पर बिना मानचित्र स्वीकृत कराये अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा था। उक्त के विरूद्ध वाद संख्या 178/2019 योजित किया गया था। अनाधिकृत रूप से भूखण्ड विकसित किये जाने पर विहित प्राधिकारी ऋषु सुहास द्वारा पारित ध्वस्तीकरण के आदेश का अनुपालन किया गया। दोनों स्थलों पर किये गये अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही कमलजीत सिंह-अधिशासी अभियन्ता के नेतृत्व में सम्बन्धित अभियन्ताओं की उपस्थिति में क्षेत्रीय थाना पुलिस बल व प्राधिकरण पुलिस बल के सहयोग से किया गया।

पेप्सिको इण्डिया प्रदेश में अब 800 करोड़ का करेगा निवेश

पेप्सिको मथुरा एवं कोसी के किसानों से 1.18 लाख टन करेगा आलू की खरीद

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के एमएसएमई, निर्यात एवं प्रोत्साहन, खादी व ग्रामोद्योग मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अमेरिकन चौम्बर आफ कामर्स इन इण्डिया के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा कि पेप्सिको इण्डिया द्वारा प्रदेश में अब 500 से बढ़ाकर 800 करोड़ का निवेश किया जायेगा। इससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से 1500 लोगों को रोजगार मिलेगा। वहीं पेप्सिको मथुरा व कोसी के किसानों से 1.18 लाख टन आलू की खरीद भी करेगा, इससे किसानों की आय को बढ़ाने मदद मिलेगी। इसी प्रकार माइक्रोसाफ्ट ग्रेटर नोएडा में आईटी,आईटीज के क्षेत्र में 4000 कर्मचारियों की क्षमता का कैम्पस स्थापित करेगा। एमएसएमई मंत्री ने कहा कि उ0प्र0 एवं अमेरिका के बीच का व्यापार में प्रदेश से 2.74 बिलियन डालर के टेक्सटाइल, कपड़े, लकड़ी का सामान, कालीन, गलीचे, लोहा, स्टील व एल्मोनियम के सामानों का निर्यात हो रहा है। उन्होंने कहा कि निवेशकों ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रानिक्स एवं इलेक्ट्रिकल्स के क्षेत्र में रूचि दिखाई है। इसी प्रकार फूड प्रोसेसिंग, हार्टीकल्चर, फुटवियर एवं लेदर आर्टिकल्स, केमिकल व फार्मा, एग्रीकल्चर और सर्विस सेक्टर में भी निवेश किया जायेगा। उन्होंने कहा कि निवेशकों को सहूलियत देने के लिए इज आफ डुइंग बिजनेस के तहत निवेश मित्र पोर्टल संचालित किया गया है, जिसमें सिंगल विंडो क्लियेरेंस के आधार पर उनकी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निवेशकों को प्रदेश में प्रतिस्पर्धात्मक लो-लेवर कास्ट के साथ कुशल मैनपावर तथा श्रम कानूनों में रियायतों का लाभ मिलेगा। साथ ही इनके अनुकूल प्रदेश का इन्फ्रास्ट्रक्चर भी विकसित किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव एमएसएमई, निर्यात प्रोत्साहन, खादी ग्रामोद्योग उद्योग नवनीत सहगल ने उ0प्र0 में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सरकार की कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने अमेरिकन निवेशकों के लिए यूएसए डेस्क स्थापित किया है, इसके तहत निवेश प्रस्तावों को गति मिलेगी तथा इससे व्यापारिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि निवेश के लिए प्रदेश में श्रम कानूनों में सुधार के साथ उपयुक्त जमीन, कुशल मैनपावर और इनफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है।

अखिलेश ने वीडियोकालिंग के जरिए आजमगढ़ में बाढ़ की स्थिति पर जिलाधिकारी से बात कर राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए कहा

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज वीडियोकालिंग के जरिए आजमगढ़ में बाढ़ की स्थिति पर जिलाधिकारी से बात कर उन्हें राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए कहा। श्री यादव ने बताया कि आजमगढ़ में नदियां उफान पर हैं। सैकड़ों गांव जलमग्न हैं। पशुओं को चारा नहीं मिल रहा है। लोग ऊंची जगहों या छतों पर बैठे हैं। अभी तक तहसील के अधिकारियों ने उनकी सुध नहीं ली है। अखिलेश यादव ने आज आजमगढ़ जनपद के बाढ़ग्रस्त इलाकों का ब्यौरा स्थानीय लोगों से प्राप्त किया। श्री अंगद प्रधान ने बताया कि दर्जनों गांवों में घाघरा के बाढ़ का पानी घुस गया है। लोगों को अंधेरे में छतों, छप्परों पर बैठकर रात गुजारनी पड़ रही है। कच्चे घर गिर रहे हैं, बीमार लोगों को दवा नहीं मिल रही है। कोई अधिकारी देखने नहीं आया है। सगड़ी तहसील के दुर्गेश यादव ने बताया कि गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र के तमाम गांवों में बाढ़ के प्रकोप से लोग नारकीय जीवन बिता रहे हैं। करीब 250 गांवों में लोग फंसे हुए हैं। अगर बड़ी नाव की व्यवस्था होती तो आदमी और पशुओं को सुरक्षित स्थान के लिए निकाला जा सकता था। सोमवार की सुबह 02:00 बजे टेकनपुर गांव के पास तटबंध टूट गया। 20 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने बताया कि गन्ना किसानों का एक साल का भुगतान बकाया है। चीनी मिल मालिक हीलाहवाली कर रहे हैं। किसान क्या करे, कहां जाए? प्राप्त सूचनानुसार गोण्डा, गोरखपुर, बहराइच, लखीमपुर खीरी, देवरिया, मऊ, बस्ती, बाराबंकी, कुशीनगर, सीतापुर, बलरामपुर, आदि जनपदों के विभिन्न गांवों में बाढ़ ने तबाही मचा रखी है। सैकड़ों गांवों का सम्पर्क बाहरी इलाकों से टूट गया है। घाघरा ने कई तटबंध काट दिए हैं। देवरिया में तटबंध कटने लगे हैं। गोण्डा में भिखारीपुर बांध कट गया है और तटबंध टूट चुके हैं और रेल की पटरियां तक डूब गई हैं। नाव की व्यवस्था से लेकर स्वास्थ्य-चिकित्सा, पशुओं के लिए चारा तथा तटबंधों की निगरानी में प्रशासन कोई रूचि नहीं ले रहा है। भोजन, चारा, दूध, किरोसिन के अभाव में लोग परेशान हैं। समाजवादी पार्टी के विधायक सहित एक प्रतिनिधिमण्डल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर बाढ़ स्थिति की जानकारी दी थी किन्तु प्रशासन ने उस पर ध्यान नहीं दिया। समाजवादी पार्टी ने आजमगढ़ जनपद सहित अन्य जनपदों को बाढ़ग्रस्त घोषित करने, गन्ने का 70 प्रतिशत बकाया भुगतान कराने, फसलों की हुई क्षति तथा जो धान डूब गया है उसका मुआवजा देने और प्रशासन की तरफसे मिट्टी का तेल तथा खाद्य पदार्थ की सप्लाई किए जाने की तत्काल व्यवस्था किए जाने की मांग की है। सब जगह एक ही आवाज सुनाई पड़ती है कि जब हर साल बांध आती है तो उसकी रोकथाम के लिए कोई भी कार्यवाही शासन स्तर से क्यों नहीं होती है। भाजपा सरकार में ऐसा पहली बार हो रहा है कि गांव के गांव डूबते जा रहे है, चारों तरफ हाहाकार मचा है लेकिन न तो मुख्यमंत्री गम्भीर दिख रहे हैं और नहीं जिलों के अधिकारी सक्रिय हो रहे हैं। लोगों की जिन्दगी भगवान भरोसे है। मूक पशुओं का तो और भी बुरा हाल है।

अखिलेश यादव ने कौंसिल उ.प्र. के अध्यक्ष पद पर रोहिताश के निर्वाचित होने पर बधाई दी

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कौंसिल उ0प्र0 के अध्यक्ष पद पर रोहिताश कुमार अग्रवाल के निर्वाचित होने पर बधाई दी है। श्री अग्रवाल मेरठ के वरिष्ठ एडवोकेट हैं। यह सराहनीय है कि श्री अग्रवाल का मेरठ बार एसोसिएशन की ओर से स्वागत किया गया। इस मौके पर बार के अध्यक्ष मांगेराम तथा महासचिव नरेशदत्त शर्मा सहित चौ0 राजपाल सिंह, सोबरन सिंह, उदयवीर राणा तथा अजय त्यागी एडवोकेटगण भी उपस्थित थे।ऐतिहासिक मेरठ बार एसोसिएशन की स्थापना सन् 1883 में हुई थी। यह प्रदेश की सबसे पुरानी संस्था है। मेरठ बार के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह भी सदस्य रहे थे। समाजवादी सरकार में मेरठ कचहरी में स्वच्छ पेय जल की व्यवस्था के लिए लगभग 6 करोड़ रूपए का प्राविधान बजट में किया गया था। इस धनराशि में सड़क, नाली, 10 हजार लीटर की टंकी, पूरी कचहरी में पाइपलानी, वाटर एटीएम आदि की व्यवस्था हुई। इसके लिए 171 मीटर गहरे ट्यूबवूल का निर्माण हुआ है। जब भी समाजवादी पार्टी की सरकार बनी उत्तर प्रदेश के अधिवक्ताओं की सुविधाओं के लिए कार्य गए।

मनकामेश्वर मठ मंदिर में बहुला गणेश चौथ मनाई गई

लखनऊ, संवाददाता। डालीगंज के प्रतिष्ठित मनकामेश्वर मठ मंदिर परिसर में शुक्रवार को बहुला गणेश चौथ पर्व मनाया गया। इसमें परंपरा के अनुसार भगवान कृष्ण की प्यारी बहुला गाय के रूप में गाय के बछड़े का विधि विधान से पूजन किया गया। मठ-मंदिर की महंत देव्यागिरी ने कहा कि गौ-सेवा में प्रभु सेवा निहित है। आरोग्य का मार्ग भी गौ-पालन से जुड़ता है। ऐसे में उन्होंने लोगों को गौ-सेवा के लिए प्रेरित भी किया। बहुला गणेश चौथ पर मठ-मंदिर परिसर में सुंदर रंगोली सजायी गई। उसमें एक तरह शेर तो दूसरी और गाय और उसका बछड़ा उकेरा गया। इसके साथ ही उसमें नाद भी बनायी गई। उस में भुना चना और गेंहू का भोग लगाया गया। इस अवसर पर महंत देव्यागिरि ने गाय के बछड़े का पूजन कर समाज की समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर कल्याणी गिरी, गौरजा गिरी, रूपा रीतू, उपमा पाण्डेय, मंजू ने शुक्रवार के कारण बिना खट्टे पदार्थ का भोग तैयार कर पूजन-अर्चन किया।

फिल्म अभिनेता संजय मिश्र ने की अखिलेश यादव से भेंट

लखनऊ, संवाददाता। जाने माने फिल्म अभिनेता संजय मिश्र ने आज समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से पार्टी मुख्यालय लखनऊ में भेंट की। इस अवसर पर राजेन्द्र चौधरी तथा श्री एस के राय भी थे। श्री संजय मिश्र ने अखिलेश यादव के नेतृत्व को 'डायनमिक' बताते हुए कहा कि उनके मुख्यमंत्रित्वकाल में फिल्मों को काफी प्रोत्साहन दिया गया था। उत्तर प्रदेश में शूटिंग के लिए विशेष सुविधाएं दी गई। कम बजट की फिल्मों पर भी मदद दी गई। कई फिल्मों को टैक्स फ्री किया गया था। अखिलेश यादव ने 'कड़वी हवा, आंखों देखी, मसान, कामयाब, गोलमाल और अंग्रेजी में कहते हैं' आदि फिल्मों के अभिनेता संजय मिश्र को मुनस्यारी पिथौरागढ़ स्थित उनकी जमीन में लगाने के लिए चिनार के चार वृक्ष भेंट दिए। अखिलेश यादव ने सैफई और समाजवादी पार्टी मुख्यालय में लगाने के लिए चिनार के पेड़ कश्मीर से मंगाये है। चिनार को कश्मीर में शाही वृक्ष माना जाता है। सन 1586 में सम्राट अकबर ने 1200 चिनार वृक्ष लगवाए थे। डल झील के किनारे बादशाह जहांगीर ने चारों तरफचिनार वृक्ष लगाए थे। इस चिनार वृक्ष का गठिया और अन्य रोगों की औषधियों में भी प्रयोग होता है। शाल, कपड़ों पर कशीदाकारी में चिनार का प्रयोग होता है।स्मरणीय है, कश्मीर की खूबसूरती में चिनार ने चार चांद लगाए है। रंगबिरंगे चिनार की खूबसूरती को कई हिन्दी फिल्मों में भी प्रदर्शित किया गया है। कश्मीर में सैकड़ों चिनार दरख्तों की उम्र 300 से 700 साल तक है। गिलगित में मिले 1700 साल पुराने शिलालेखों पर भी चिनार की आकृतियां हैं। पतझड़ में भी इसके सुर्ख लाल पत्रे अलग छटा बिखेरते हैं। कश्मीर के सभी धर्मस्थलों पर, पवित्र चश्मों में चिनार होता है। इसे भवानी का प्रसाद भी मानते हैं। दुनिया का सबसे पुराना चिनार का पेड़ बडगाम के छत्रगाम में है।

शिक्षा नीति से जुड़े अहम सवाल

नयी शिक्षा नीति 34 साल बाद शिक्षा में व्यापक सुधारों के दावे के साथ घोषित की गयी. इसमें मूल आधारों सुलभता, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही पर केंद्रित किया गया है. कहा जा रहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मसौदे को ही जारी किया गया. अभी मानव संसाधन विकास मंत्रालय की तरफ से औपचारिक तौर पर पूर्ण नीति दस्तावेज का आना बाकी है. फिर भी, इस घोषणा का स्वागत करने की जरूरत है. एनइपी की तीन उत्कृष्ट विशेषताएं हैं, पहली, कक्षा एक से पांचवीं तक के बच्चों की शिक्षा को मान्यता और आठवीं तक मातृभाषा और स्थानीय भाषा में शिक्षा, दूसरी, छठी कक्षा से व्यावसायिक शिक्षा को मान्यता एवं शुरुआत और तीसरी, पुरानी व्यवस्था, जिसे 10़2 व्यवस्था कहा जाता है, उससे विज्ञान, कॉमर्स और मानविकी वर्ग की समाप्ति. पुरानी व्यवस्था में दसवीं और बारहवीं को अहम पड़ाव माना जाता था. इसकी जगह पर 5़3़3़4 की व्यवस्था लागू होगी. तीसरी व्यवस्था के तहत उच्च माध्यमिक छात्रों को अपनी पसंद, इच्छा और अभिक्षमता के आधार पर उच्च शिक्षा चुनने की स्वतंत्रता होगी. अच्छे स्कोर और ग्रेड वाले छात्रों को परिजनों के दबाव में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए बाध्य होने के बजाय अब मानविकी, सामाजिक और शुद्ध विज्ञान चुनने का विकल्प होगा. गांधी जी के नेतृत्व में 1937 में मारवाड़ी विद्यालय वर्धा में शिक्षा पर हुए राष्ट्रीय सम्मेलन में यह संस्तुति की गयी कि शिक्षा व कौशल निर्माण के लिए मातृभाषा सीखने का एक अहम माध्यम है. इसे बुनियादी यानी नयी तालीम कहा गया. देश को यह जानने में 83 वर्ष लग गये कि बच्चा अपनी मातृभाषा में बेहतर तरीके से सीख सकता है. व्यावसायिक शिक्षा स्वरोजगार और रोजगार के क्षेत्र में

संभावनाओं को बेहतर बनाती है. इसके लिए शिक्षण विधा को एनसीइआरटी द्वारा विकसित किया जाना बाकी है. उम्मीद है कि गांधीजी और जॉन डेवी के सीखने के सिद्धांत को नये पाठ्यक्रम के शिक्षण में जगह मिलेगी. भाषा ज्ञान और कंप्यूटेशनल स्किल को 10 वर्ष की आयु तक सीखने की जरूरत है. एनसीइआरटी को देश में जारी दर्जनों वैज्ञानिक और नवोन्मेषी शोधों के अनुभवों से सीखने की आवश्यकता है. हमें उम्मीद है कि एनसीइआरटी यह सुनिश्चित करेगा कि असर (एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (ग्रामीण) 2019) के निराशाजनक निष्कर्ष में बदलाव आयेगा. वर्ष 2019 की नवीनतम असर रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण भारत में कक्षा पांचवीं के केवल 50 प्रतिशत छात्र ही दूसरी कक्षा के टेक्स्ट को पढ़ पाने में सक्षम हैं और केवल 28 प्रतिशत बच्चे ही भाग के सवालों को हल कर सकते हैं. देश में एनइपी के तहत स्कूली शिक्षा की संरचना और वित्त व्यवस्था के बारे में घोषणाओं और नीति दस्तावेज से कुछ स्पष्ट नहीं है. सार्वभौम प्राथमिक शिक्षा कोई नयी घोषणा नहीं है. सबके लिए पहुंच का वादा तो है, लेकिन इसकी संरचना अस्पष्ट है.

स्कूली शिक्षा में जिन देशों का प्रदर्शन बेहतर है, वहां स्कूल शिक्षा का वित्तपोषण सरकार करती है. यह व्यवस्था सरकार द्वारा संचालित नजदीकी स्कूल में बच्चे का प्रवेश सुनिश्चित करती है. फीस वसूली करनेवाले निजी स्कूलों की व्यवस्था उन लोगों तक सीमित की जानी चाहिए, जिनके पास बच्चों की शिक्षा पर निवेश करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं. देश के प्रत्येक बच्चे को यह अधिकार मिले कि उसे अपने निवास के सबसे नजदीकी स्कूल में दाखिला मिले. स्कूली शिक्षा अनिवार्य तथा मुफ्त होने के साथ नजदीक में सुलभ होनी चाहिए. एनइपी इस मुद्दे पर स्पष्ट नहीं है. यह चुप्पी व्यावसायिक और लाभ कमानेवाले लालची संस्थानों को बढ़ावा दे सकती है. इस संदर्भ में राममनोहर लोहिया को याद किया जा सकता है- 'रानी हो या मेहतरानी, सबके लिए एक समान शिक्षा हो.' जब तक देश लोहिया के इस बात पर अमल नहीं करेगा, तब तक सतत विकास लक्ष्य अधूरा ही रहेगा. वंचितों के लिए लैंगिक समावेशी निधि और विशेष शिक्षा केवल काल्पनिक ही रह जायेगी. मौजूदा प्रयासों से न्यायसाम्य तय नहीं किया जा सकता है. संस्कृत को स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक एकमात्र वैकल्पिक भाषा के तौर पर शामिल किये जाने के प्रावधान पर गांधी जी दुखित होते. देश में बड़ी आबादी सदियों से हिंदी-हिंदुस्तानी को समझती और बोलती रही है. उर्दू भाषा को नजरअंदाज किया गया. क्या हमें याद दिलाया जाना चाहिए कि उर्दू हिंदुस्तान में विकसित हुई भाषा है न कि पर्सियन या फारसी? नजरअंदाज करने से यह खत्म हो जायेगी. देश का प्रबुद्ध मुस्लिम तबका मदरसा को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने की वकालत करता है. वैकल्पिक विषय के तौर पर केवल संस्कृत को सुझाने से मुख्यधारा से मदरसा को जोड़ने के प्रयासों पर नकारात्मक असर पड़ेगा. उर्दू को मान्यता देने और शामिल करने से एक अच्छी शुरुआत होगी. भारतीय अनुवाद एवं व्याख्या संस्थान का विचार स्वागतयोग्य है. देश में विविध भाषाओं और ज्ञान से परस्पर सीखने के मौके को अब तक हमने गंवाया है. मुक्त आदान-प्रदान शायद ही संभव रहा. एक भाषा से दूसरे तक, इसे बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने की औपचारिक संरचना नहीं रही है. भाषाविदों और विद्वानों को राजनीतीकरण से दूर रखना चाहिए. एनइपी 2020 में उच्च शिक्षा की वार्ता के लिए अतिरिक्त जगह की आवश्यकता है. हालांकि, कुछ अहम बातें की जा सकती हैं. उच्च शिक्षा में प्रशासनिक संरचना स्पष्ट नहीं है. वर्ष 2035 तक सकल नामांकन अनुपात को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने का मतलब है कि स्कूली शिक्षा की जड़ें मजबूत हों और प्रत्येक स्कूल स्नातक के पास अच्छी आजीविका के लिए पर्याप्त क्षमता और कौशल हो. उच्च शिक्षा में उन्हें मौका मिले, जिनके पास योग्यता, इच्छा और क्षमता हो. सरकार को सतर्क रहना होगा, ताकि उच्च शिक्षा अमीर व कुलीन वर्ग तक ही सीमित न हो. गरीबों और योग्य छात्रों को भी इसमें समावेशित किया जाये. घोषित नीति के मुख्य बिंदु इस तरह की व्यवस्था की ओर इशारा करते हैं. लेकिन, हमें विस्तृत विवरण के आने का इंतजार करना चाहिए.

सम्पादकीय

पाक की हताशा

जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन की पहली वर्षगांठ और अनुच्छेद 370 निरस्त होने से उपजी हताशा में पाक ने कई भड़काऊ कोशिशें की हैं। इसी शृंखला में पाक ने भारतीय क्षेत्रों को शामिल करते हुए कथित नया नक्शा जारी किया है। इस सप्ताह की शुरुआत में जारी पाक के इस भ्रामक नक्शे में गुजरात की जूनागढ़ रियासत, सरक्रीक और जम्मू-कश्मीर को शामिल दिखाया गया है, जिसे इमरान पाक के इतिहास में ऐतिहासिक दिन कहने की नादानी कर रहे हैं। दावा है कि नया मानचित्र पाक के सभी राजनीतिक दलों और अवाम की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। पाक की इस हरकत को सिरे से खारिज करते हुए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने कहा कि गुजरात और जम्मू-कश्मीर पर इस तरह की दावेदारी पेश करना महज राजनीतिक मूर्खता है। साथ ही इस हास्यास्पद कदम की न तो कोई कानूनी मान्यता है और न ही विश्व समुदाय में विश्वसनीयता। सही मायनो में यह हरकत पाक द्वारा सीमा पार से आतंकवाद के जरिये क्षेत्रीय विस्तार की कुत्सित कोशिशों को दर्शाती है। इस घोषणा के अलावा पाक पहले ही कश्मीर में अनुच्छेद-370 खत्म किये जाने के दिन पांच अगस्त को शोषण दिवस के रूप में मनाने की घोषणा कर चुका था। यहां तक कि इमरान सरकार ने चीन की मदद से फिर से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कश्मीर का मामला उठाने की असफल कोशिश की। लेकिन इसके बावजूद कश्मीर पर कोई ऐसा प्रस्ताव नहीं आ सका। इसके साथ ही विवादित क्षेत्र गिलगित-बाल्टिस्तान में कोरोना काल में भी विधानसभा चुनाव कराने की पाकिस्तान की जिद भी इसी हताशा का नतीजा है। लंबे समय से भारत में आतंकवाद फैलाने की साजिशों के चलते पाक सारी दुनिया में पहले ही संदेह के घेरे में है और उसकी विश्वसनीयता दांव पर लगी है, जिसके चलते फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने पाक को आतंकवादियों के वित्त पोषण के लिये ग्रे-सूची में डाला हुआ है। उस पर लश्कर-ए-तैयबा और जैश की मदद का आरोप है। दरअसल, नेपाल के बाद पाक द्वारा भारत को बेतुके नक्शा विवाद में उलझा देने की कोशिशों के पीछे चीन की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। खुद भारत को लद्दाख क्षेत्र में उलझाकर चीन भारत पर चौतरफा दबाव बनाना चाहता है जो कि मोदी सरकार की अग्निपरीक्षा भी है। दरअसल, यह करतूत पाक सत्ताधीशों की दिग्भ्रमित सोच का ही परिचायक है। खासकर सरक्रीक और जूनागढ़ को नक्शे में शामिल करने की बात जो पिछले कई दशकों से पाक के एजेंडे में ही नहीं रहा है। वहीं दूसरी ओर पाक हुक्मरान लद्दाख पर चीनी नजर के चलते इसे नक्शे में शामिल करने से बचे हैं। दरअसल, पाक इस नक्शे के जरिये कई मोर्चों पर भारत को उलझाना चाहता है। वह जानता है कि चीन का उसके साथ खड़ा होना उसके लिये मददगार हो सकता है क्योंकि चीन कश्मीर के मुद्दे पर उसका साथ खुलकर दे रहा है। मगर यह पाक के लिये नुकसानदायक है कि वह अब तक जिस कश्मीर को मानवाधिकारों का मुद्दा बताता था, वह नई मांग से क्षेत्रीय मुद्दा बन जाता है। दरअसल, अनुच्छेद-370 हटाये जाने के एक साल पूरा होने से ठीक पहले इमरान खान ने जो शिगूफा छोड़ा है, उसका मकसद घरेलू अवाम को भरमाना है कि पाक ने भारत को मुश्किल में डाल दिया है। यह भी कि पाक ने कश्मीर मुद्दे पर हथियार नहीं डाले हैं। इस तरह के कल्पनिक प्रश्नों के जरिये इमरान सरकार पाक के लोगों को बरगलाने की कोशिश कर रही है। कुल मिलाकर यह बचकानी हरकत है, जिसे शर्मनाक ही कहा जायेगा, जिसकी न कोई तार्किकता है और न ही विश्व समुदाय द्वारा उसकी दलीलों पर कोई ध्यान ही दिया जायेगा। ऐसे में किसी देश द्वारा मान्यता दिये जाने का तो प्रश्न ही नहीं उठता। यही वजह है कि भारत सरकार ने पाक के दावों को सिरे से खारिज करते हुए अपनी संप्रभुता को अटल सत्य बताया है।

लापरवाही से लेबनान में तबाही

महामारी और आर्थिक संकट से जूझ रहे मध्यपूर्वी देश लेबनान में मंगलवार को हुए धमाकों ने भारी तबाही मचाई है। राजधानी बेरूत के पोर्ट इलाके में एक वेयर हाउस में रखे 2750 टन अमोनियम नाइट्रेट के कारण कई छोटे-बड़े धमाके हुए, जिसने एक खूबसूरत शहर को मलबे और राख के ढेर में बदल कर रख दिया है। बताया जा रहा है कि इतनी बड़ी मात्रा में यह खतरनाक रसायन असुरक्षित तरीके से रखा हुआ था। 2013 में एक माल्दोवियन कार्गो शिप इस रसायन को लेकर जा रहा था, लेकिन तकनीकी खराबी आने के कारण इसे बेरूत में ही उतार दिया गया और उसके बाद से यह वेयरहाउस में रखा हुआ था। अमोनियम नाइट्रेट अमूमन खेती के लिए उर्वरक में नाइट्रोजन के स्रोत के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इसे ईंधन वाले तेल के साथ मिलाकर विस्फोटक भी तैयार किया जाता है, जिसका इस्तेमाल खनन और निर्माण उद्योगों में होता है। चरमपंथियों ने कई बार इसका इस्तेमाल बम बनाने में भी किया है। जानकारों का कहना है कि अमोनियम नाइट्रेट को अगर ठीक से स्टोर किया जाए, तो ये सुरक्षित रहता है। लेकिन अगर बड़ी मात्रा में ये पदार्थ लंबे समय पर ऐसे ही जमीन पर पड़ा रहा, तो धीरे-धीरे खराब होने लगता है। बेरूत के वेयरहाउस में रखे इस रसायन के बारे में भी यही कहा जा रहा है कि या तो इसका निपटारा किया जाना चाहिए था या फिर इसे बेच देना चाहिए था। लेकिन ऐसा लगता है कि सरकार ने और संबंधित अधिकारियों ने इस ओर लापरवाही दिखाई और बेरूत को इतनी बड़ी औद्योगिक दुर्घटना का शिकार होना पड़ा। ये धमाके कितने शक्तिशाली थे, इसका अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि 2 सौ किमी दूर साइप्रस में इसकी आवाज सुनी गई। धमाके के बाद जिस तरह की शॉकवेव उठी, उससे नौ किलोमीटर दूर बेरूत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पैसेंजर टर्मिनल में शीशे टूट गए। इस हादसे में कम से कम 135 लोगों की मौत हो चुकी है और 5 हजार के करीब घायल हुए हैं। अस्पताल मरीजों और पीड़ितों से भर गए हैं। 3 लाख से अधिक लोगों के बेघर होने की आशंका है और 10-15 अरब डालर का नुकसान हो चुका है। जहां धमाके हुए, वहां पास में ही सरकारी अनाज के गोदाम भी थे, जो अब पूरी तरह बर्बाद हो गए हैं। इन गोदामों में रखा करीब 15 हजार टन अनाज राख हो चुका है और अब लेबनान के पास केवल एक महीने की खाद्य सामग्री है। इसका मतलब आने वाले समय में भयंकर खाद्य संकट देखने मिल सकता है। लेबनान अपनी जरूरत का अधिकतर अनाज आयात करता है, लेकिन पहले से आर्थिक संकट झेल रहे देश के पास और अनाज आयात करने के लिए पैसे नहीं हैं। कुछ लोगों की लापरवाही लाखों लोगों के जीवन के लिए भयावह संकट साबित हुई है। हालांकि लेबनान के राष्ट्रपति मिशेल आउन और प्रधानमंत्री हसन दियाब ने मामले की कड़ी जांच करने और दोषियों को सजा देने की बात कही है, लेकिन इतिहास के अनुभव यही बताते हैं कि इस तरह के हादसों के जिम्मेदार लोग किसी न किसी तरह बच निकलते हैं और जनता अपने घावों के साथ कराहती रह जाती है। बीते वक्त में चेर्नोबिल से लेकर भोपाल गैस कांड तक कई भयावह औद्योगिक दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें इंसाफ मिलने की उम्मीद समय बीतने के साथ कम होती जाती है। वैसे इस तरह की दुर्घटनाओं में जहां ताकतवर लोगों का स्वार्थी चरित्र उजागर हो जाता है, वहीं आम जनता की उदारता की ताकत भी दिखने लगती है। बेरूत में धमाकों के बाद सरकारी राहत और मदद की प्रतीक्षा करने की जगह बहुत से युवा स्वयंसेवी बनकर सड़कों पर उतर गए। दास्ताने और मास्क पहने ये युवा मलबा हटाने, सफाई करने से लेकर घायलों की तीमारदारी में लग गए। कई लोगों ने भोजन-पानी और दवा का इंतजाम किया। बहुत से लोगों ने अपने घरों में बेघरों को पनाह दी। कई व्यापारियों ने मरम्मत के काम

को मुफ्त कर देने का प्रस्ताव रखा। ये तमाम लोग सरकार के ढीले-ढाले रवैये से नाराज हैं और अपने देशवासियों की मदद खुद करना चाहते हैं। बहुत से देश भी इस मुसीबत की घड़ी में लेबनान की मदद के लिए आगे आए हैं। जर्मनी ने खोज और बचाव विशेषज्ञ भेजे, मेडिकल सहायता का प्रस्ताव रखा है साथ ही रेडक्रास को 10 लाख यूरो की मदद की है। फ्रांस ने राहत और चिकित्सा सामग्री भेजी और इसके साथ राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों खुद लेबनान पहुंच गए। ऐसा करने वाले वे पहले विदेशी नेता बन गए। आस्ट्रेलिया, इराक, मिस्र, जोर्डन और अमेरिका जैसे तमाम देशों ने भी मदद की पेशकश की है।

इस मानवीय संकट के वक्त मदद और सहानुभूति दवा की तरह साबित होते हैं। वैसे लेबनान के जख्मों को भरने में काफी वक्त लगेगा, यह बात भारत के लोग भी समझ सकते हैं, जो खुद भोपाल गैस कांड का पीड़ित है। उस घटना के लगभग 3 दशक बाद भी पूरी तरह उबरा नहीं जा सका है। इस तरह की घटनाओं के वक्त जांच और एहतियात जैसे शब्द काफी जोर देकर इस्तेमाल किए जाते हैं, लेकिन वक्त बीतने के साथ फिर लापरवाही का सिलसिला शुरु हो जाता है।भारत में ही भोपाल की घटना के बाद औद्योगिक दुर्घटनाओं को पूरी तरह रोका नहीं जा सका। लेबनान की घटना से दुनिया को एक चेतावनी और मिल गई है, पर क्या सरकारें इसे सुनने को तैयार हैं।

नक्शे की राजनीति पाक की मजबूरी

पाकिस्तान ने कैबिनेट की सहमति से जो अपना नया राजनीतिक नक्शा जारी किया है, उसके पीछे वहां के अंदरूनी राजनीतिक हालात हैं. इमरान खान को प्रधानमंत्री बनाने में सेना की बहुत बड़ी भूमिका रही है और वहां लगभग सभी महत्वपूर्ण निर्णय सेना ही लेती है, लेकिन इसे दुनिया से छुपाना भी है वर्ना फजीहत हो जायेगी. ऐसे में इमरान खान की जिम्मेदारी बनती है कि वह कुछ-न-कुछ करके दिखाएं. दूसरे, पाकिस्तान की हालत बद-से-बदतर होती जा रही है. आर्थिक स्थिति खराब होने के साथ ही पाकिस्तान को बाहर से बहुत सारा ऋण लेना पड़ रहा है. वह कर्ज के दलदल में धंसता जा रहा है. आतंकवादियों को पनाह देने के कारण वह कब से ग्रे लिस्ट में है. उसमें किसी तरह की अब तक रियायत नहीं मिली है. ऐसी हालत में इमरान खान को कुछ-न-कुछ तो करना ही था. दूसरी बात, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद से उनके लिए भारत के अंदर आतंकवाद को बढ़ावा देना मुश्किल हो गया है. ऐसे में इमरान खान कोई नया मुद्दा चाहते हैं. नेपाल ने उनको अच्छा रास्ता दिखा दिया है. धारा 370 हटने से हमारे कश्मीरी नेता अभी तक नाराज हैं, क्योंकि उनको पहले कश्मीर में पूरी लीडरशीप मिली हुई थी, पैसा भी उन्हीं के माध्यम से जाता था, वह सब बंद हो गया है. ऐसे में इमरान खान उन लोगों को भड़काना चाहते हैं और यह आश्वासन देना चाहते हैं कि भारत में भले ही उन्हें मदद नहीं मिल रही है, लेकिन पाकिस्तान उनकी मदद को तैयार हैं. तीसरी बात, पाकिस्तान अब चीन की भाषा ज्यादा बोलने लग गया है. पाकिस्तान ने जिन-जिन हिस्सों को जबरदस्ती अपने हिस्से में मिलाया था, उन्हें अब वह संभाल नहीं पा रहा है, जैसे बलूचिस्तान, पीओके आदि. इन्हें वह चीन को पकड़ाता जा रहा है. पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति खराब हो रही है और वह चीन के कर्ज में डूबता जा रहा है. चीन से वह जितना कर्ज लेता है, उसके बदले अपनी और जमीन चीन को देता जाता है. कहते हैं कि बलूचिस्तान को भी उसने पचास वर्ष की लीज पर चीन को दे दिया है. पीओके में गिलगित-बाल्टिस्तान को भी पचास वर्ष की लीज पर देने का प्रस्ताव रखा है. कहा जा रहा है कि इसे लेकर गुपचुप समझौता भी हो गया है. इसी कारण कश्मीर, पख्तूनिस्तान, बलूचिस्तान, सिंध आदि में पाकिस्तान की सरकार के खिलाफ लोगों में गुस्सा भड़क उठा है. जहां तक नेपाल की बात है, तो वह पाकिस्तान की तरह भारत में आतंकवाद को बढ़ावा तो नहीं देता है, लेकिन नेपाल के अंदर आतंकवादी गुट घुस कर बैठे रहते हैं और वे वहां से नकली भारतीय मुद्रा भारत में भेजते रहते हैं. नेपाल भी आजकल चीन के प्रभाव में है. इसी कारण उसने भी अपना नया नक्शा पारित किया है. असल में, नेपाल की कम्युनिस्ट सरकार से वहां के लोग बहुत ज्यादा खुश नहीं हैं. ऐसे में वह चीन से पैसा लेने के लिए और लोगों को खुश करने के लिए भारत विरोधी राष्ट्रवाद को बढ़ावा देती जा रही है. भारत के अड़ोस-पड़ोस, दक्षिण एशिया में चीन जिस तरीके से अपने पैर पसार रहा है, ऐसे में आवश्यक हो गया है कि जो देश भारत को अपना मित्र कहते हैं, उसे हथियार बेचने में लगे रहते हैं, उन्हें भारत अच्छी तरह से यह बात समझाए कि सिर्फ हथियार खरीदने से काम नहीं बनता. जरूरी यह भी है कि मित्र कहने का दम भरने वाले देश रणनीतिक रूप से भारत को कमजोर न पड़ने दें. जिस तरह भारत के पड़ोसी देश चीन के हाथों बिकते चले जा रहे हैं, वह भारत के लिए चिंता का विषय है. चीन ने अपनी विस्तारवादी नीतियां अब नेपाल और पाकिस्तान को भी सिखा दी हैं. कार्टोग्राफिक एग्रेशन उसी का नतीजा है. इसे रोकना इसलिए जरूरी है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय समझौतों के खिलाफ जाने का चीन का यह नया तरीका है. चूंकि अब अमेरिका पूरी तरह चीन के खिलाफ खड़ा हो चुका है. इसलिए चीन को अब यह डर सता रहा है कि कहीं अमेरिका भारत का दोस्त न बन जाए. इसलिए वह चारों ओर से भारत को घेरना चाहता है. इसके लिए चीन भारत के पड़ोसी देशों की जमीन हथियाने के साथ ही भारत के पड़ोसी देशों को कार्टोग्राफिक एग्रेशन के लिए बढ़ावा दे रहा है और अंतरराष्ट्रीय समझौते के खिलाफ बहका रहा है. ऐसी परिस्थिति में भारत को अपनी सुरक्षा का बहुत ध्यान रखने की जरूरत है. राम मंदिर भूमि पूजन को लेकर पाकिस्तान और बौखला गया है. वह भारत के अंदर अलग-अलग कमेटी और राजनीतिक पार्टी को हिंदू राज, राम मंदिर, धारा 370, तीन तलाक आदि के नाम पर भड़काना और हमारे यहां की शांति भंग करना चाहता है.

वह भारत को किसी तरीके से अंदर से कमजोर करना चाहता है. इसलिए उसने चीन को अपने साथ मिला लिया है. भारत को अपने खतरों को समझने की आवश्यकता है. हमें अपना व सेना का मनोबल बढ़ाना होगा और सुरक्षा की दृष्टि से, साझेदारी की दृष्टि से अपने को मजबूत करना होगा. हम जिन पड़ोसी देशों की मदद का वादा करते हैं और उनके साथ मिल कर परियोजनाएं लगाते हैं, उन्हें समय पर पूरा करना होगा. दूसरे हम अपने पड़ोसी देशों में विश्वास पैदा करें कि भारत उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ा है.

ओली पोप अर्धशतक लगाकर हुए आउट,इंग्लैंड का 5वां विकेट गिरा

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच पहला टेस्ट मैच मैनचेस्टर में जारी है। इस मैच में टॉस जीतकर पहली पारी में पहले बल्लेबाजी करने वाली पाकिस्तान की टीम ने शान मसूद की शतकीय पारी की बदौलत 326 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम ने मैच के तीसरे दिन खबर लिखे जाने तक 5 विकेट के नुकसान पर 127 रन बना लिए हैं। पहली पारी में पाकिस्तान के 326 रन के जवाब में इंग्लैंड को पहला झटका महज 4 रन पर ही लग गया। ओपनर बल्लेबाज रोरी बर्न्स को शाहिन अफरीदी ने 4 रन पर एलबीडब्ल्यू आउट किया। इंग्लैंड को दूसरा झटका मो. अब्बास ने सिब्ले को 8 रन पर आउट करके दिया। इसके बाद तीसरा विकेट भी अब्बास ने ही लिया और बेन स्टोक्स को बिना खाता खोले ही क्लीन बोल्ड कर दिया। टीम के कप्तान जो रूट ने 14 रन बनाए और उनकी पारी का अंत यासिर शाह ने कर दिया। ओली पोप ने अच्छा संघर्ष दिखाते हुए 62 रन बनाए और नसीम खान ने उन्हें शादाब खान के हाथों कैच करवा दिया।

पाकिस्तान की टीम ने अपना पहला विकेट ओपनर आबिद अली के तौर पर खोया। आबिद अली को तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने 16 रन के स्कोर पर क्लीन बोल्ड कर दिया। टीम के कप्तान अजहर अली को क्रिस वोक्स ने शून्य पर रूट्ट आउट कर दिया। बाबर आजम ने अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन खेल के दूसरे दिन वो 69 रन से आगे नहीं बढ़ सके और जेम्स एंडरसन की गेंद पर उनका कैच जो रूट ने लपक लिया। असद शफीक को 7 रन पर स्टुअर्ट ब्रॉड ने बेन स्टोक्स के हाथों कैच आउट करवाकर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। पाकिस्तान को पांचवां झटका मोहम्मद रिजवान के तौर पर गिरा। उन्होंने 9 रन की निजी स्कोर पर क्रिस वोक्स ने 9 रन पर जोस बटलर के हाथों कैच आउट करवा दिया। टीम का छठा विकेट शादाब खान के तौर पर गिरा और उन्होंने 45 रन की अहम पारी खेली। शादाब को डोम बेस ने जो रूट के हाथों कैच आउट करवा दिया। याशिर शाह को जोफ्रा आर्चर ने 5 रन पर एलबीडब्ल्यू आउट किया जबकि मो. अब्बास को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। शान मसूद ने 156 रन की पारी खेली और वो स्टुअर्ट ब्रॉड की गेंद पर रूट्ट आउट हुए। इंग्लैंड की तरफ से पहली पारी में स्टुअर्ट ब्रॉड व जोफ्रा आर्चर ने तीन-तीन, क्रिस वोक्स ने दो जबकि जेम्स एंडरसन व डोम बेस ने एक-एक विकेट लिए। डॉम सिब्ले, रोरी बर्न्स, जो रूट (कप्तान), बेन स्टोक्स, ओली पोप, जोस बटलर (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, डॉम बेस, स्टुअर्ट ब्रॉड, जोफ्रा आर्चर, जेम्स एंडरसन। शान मसूद, आबिद अली, अजहर अली (कप्तान), बाबर आजम, असद शफीक, शादाब खान, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), यासिर शाह, शाहीन अफरीदी, मोहम्मद अब्बास, नसीम शाह।

दिग्गज गेंदबाज शोएब अख्तर बोले- हम घास खा लेंगे, लेकिन पाकिस्तानी सेना का बजट बढ़ाएंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को अपने समय में क्रिकेट के मैदान पर धमाकेदार गेंदबाजी करने के लिए जाना जाता था, लेकिन अब मैदान के बाहर भी शोएब अख्तर आतिशी नजर आ रहे हैं। शोएब अख्तर ने हाल ही में दावा किया है कि वह घास खाने के लिए तैयार है, लेकिन इससे उनके देश की सेना के बजट में बढ़ोतरी होनी चाहिए। पाकिस्तानी चैनल रूट्ट न्यूज को दिए इंटरव्यू में शोएब अख्तर ने कहा है, ÷अगर अल्लाह ने मुझे कभी अधिकार दिया तो मैं खुद घास खाऊंगा, लेकिन सेना का बजट बढ़ा दूंगा।÷ क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज गेंद फेंकने के लिए माने जाने वाले अख्तर ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि असैन्य क्षेत्र सशस्त्र बलों के साथ मिलकर काम क्यों नहीं कर सकता। रावलपिंडी एक्सप्रेस के नाम से फेमस गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा है, ÷मैं अपने सेना प्रमुख को मेरे साथ बैठने और निर्णय लेने के लिए कहूंगा। अगर बजट 20 फीसदी है, तो मैं इसे 60 फीसदी कर दूंगा। अगर हम एक-दूसरे का अपमान करते हैं, तो नुकसान हमारा ही है।÷ अख्तर ने यह भी दावा किया था कि वह अपने देश के लिए गोली खाने के लिए तैयार थे। उन्होंने काउंटी क्रिकेट की लाखों रुपयों की डील को ठुकरा दिया था, क्योंकि वह 1999 के कारगिल युद्ध में भारत के खिलाफ लड़ना चाहते थे। इससे पहले पिंडी ब्वॉय यानी शोएब अख्तर ने भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग द्वारा उन्हें स्लेज करने के दावे को नकार दिया था। सहवाग अक्सर कहा करते थे कि उन्होंने अख्तर को बोला था कि सचिन को बाउंसर मारो तो उन्होंने बाउंसर मारा था। उस गेंद पर सचिन ने छक्का जड़ा था तो वीरू ने अख्तर को बोला था कि बाप-बाप होता है। इस पर अख्तर ने कहा है, ÷हां, पूरी तरह से उनके द्वारा बनाई गई कहानी है।

सचिन हैं नाइनटीज पर सबसे ज्यादा आउट होने वाले भारतीय खिलाड़ी

विराट व सहवाग भी लिस्ट में

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के सबसे महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने अपने इंटरनेशनल क्रिकेट करियर में कुल 100 शतक लगाए थे, लेकिन आपको ये जानकर हैरानी होगी कि वो इससे भी ज्यादा शतक लगा सकते थे। सचिन तेंदुलकर अपने क्रिकेट करियर के दौरान कुल 17 बार नाइनटीज पर आउट हुए यानी नर्वस नाइनटीज का शिकार हुए। अगर ऐसा नहीं होता को उनके इंटरनेशनल शतकों की संख्या 117 हो सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सचिन ने अपने क्रिकेट करियर में 200 टेस्ट मैच, 450 से ज्यादा वनडे और सिर्फ एक टी20 इंटरनेशनल मैच खेले थे और सभी प्रारूपों में वो कुल 17 बार नाइनटीज पर आउट हुए। वो नर्वस नाइनटीज का शिकार होने वाले भारतीय खिलाड़ियों में पहले स्थान पर हैं।

सचिन तेंदुलकर के बाद भारत की तरफ से सबसे ज्यादा बार नर्वस नाइनटीज का शिकार टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली हुए थे। गांगुली को बेहद आक्रामक ओपनर बल्लेबाज माना जाता था। टीम इंडिया में जबरदस्त बदलाव लाने वाले और विदेशी धरती पर भारतीय टीम को जीत का मंत्र देने वाले गांगुली भी अपने क्रिकेट करियर के दौरान 6 बार नवर्स नाइटीज का शिकार बने। वो इस मामले में दूसरे स्थान पर हैं यानी सचिन के बाद उनका स्थान दूसरा है। वहीं उनमें और सचिन में काफी फर्क भी है। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली नर्वस नाइटीज का शिकार होने के मामले में तीसरे स्थान पर हैं। विराट के भी इंटरनेशनल क्रिकेट में अब तक कुल 70 शतक हो चुके हैं और अगर वो 5 बार नर्वस नाइनटीज के शिकार नहीं हुए होते तो उनके भी शतकों की संख्या ज्यादा होती। इस मामले में विराट कोहली और पूर्व तूफानी ओपनर बल्लेबाज संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। सहवाग भी अपने करियर के दौरान 5 बार नर्वस नाइटीज का शिकार हुए।

पाकिस्तान में आतंकवादियों ने क्रिकेट मैच को किया बाधित, मैदान पर बरसाईं अंधाधुंध गोलिया

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के लाहौर में साल 2009 में श्रीलंका की क्रिकेट टीम पर आतंकवादी हमला हुआ था। इस हमले में कई लोग मारे गए थे, जबकि श्रीलंकाई क्रिकेटर घायल हो गए थे। इस हमले के बाद पाकिस्तान में क्रिकेट एक दशक तक ताले में बंद रही थी, लेकिन पिछले कुछ सालों में क्रिकेट की वापसी पाकिस्तान में हो गई। इस बीच पाकिस्तान के ही खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एक जिले से ऐसी खबर सामने आई है, जो पाकिस्तान पर फिर से कलंक लगाती है। दरअसल, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के जिले ओराक्जई में एक क्रिकेट टूर्नामेंट खेला जा रहा था। अमन क्रिकेट टूर्नामेंट के नाम से आयोजित किए गए इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला था, जिसे देखने के लिए भारी भीड़ जमा हुई थी। कुछ राजनीतिक कार्यकर्ता और मीडियाकर्मी भी इस मैच को देखने के लिए पहुंचे थे, लेकिन इस मुकाबले को आतंकवादियों ने बाधित कर दिया। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, वहां आतंकवादियों ने गोलियां चलाई थीं। आतंकवादियों ने गुरुवार को ओराक्जई जिले के ऊपरी हिस्से में इस्माइलजई तहसील में द्रार ममाजई क्षेत्र में अमन क्रिकेट टूर्नामेंट के भव्य समापन समारोह में तोड़फोड़ की। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि बड़ी संख्या में दर्शक, जिनमें राजनीतिक कार्यकर्ता और मीडियाकर्मी शामिल हैं, चैन ग्राउंड में अमन क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच देखने के लिए एकत्र हुए थे। उन्होंने कहा कि मैच शुरू होने से पहले ही आतंकवादियों ने पास की पहाड़ियों से खेल के मैदान पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों, दर्शकों और पत्रकारों ने घटनास्थल से भागकर अपनी जान बचाई। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के स्थानीय नेता, हाजी कासिम गुल, क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में मुख्य अतिथि थे। एक दर्शक ने कहा कि गोलीबारी इतनी तेज थी कि आयोजकों के पास खेल को समाप्त करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा कि जब पास की पहाड़ियों से गोलीबारी शुरू हुई तो सभी बचने के लिए दौड़े। हालांकि, घटना में किसी भी तरह की जान-माल की हानि नहीं हुई। पाकिस्तानी वेबसाइट द न्यूज के मुताबिक, ओराक्जई जिला पुलिस अधिकारी निसार अहमद खान ने कहा कि इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खबरें थीं और कहा कि ओरक्जई स्काउट्स और फ्रंटियर कोर के साथ पुलिस अब आतंकवादियों और अन्य अपराधियों के खिलाफ एक संयुक्त अभियान शुरू करेगी।

इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान टेस्ट में हुआ कमाल पिता-पुत्र हैं एक ही मैच का हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। मेजबान इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जा रहा है। इसी मैच में एक ऐसा संयोग हुआ है कि पिता और पुत्र दोनों मैच का हिस्सा बन गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब पिता और पुत्र दोनों एक ही मैच का हिस्सा हैं, लेकिन दोनों की जिम्मेदारियां अलग हैं। जी हां ये सच है। दरअसल, इंग्लैंड की टीम के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड अपनी टीम के लिए खेल रहे हैं, जबकि उनके पिता क्रिस ब्रॉड मैच रेफरी की भूमिका में हैं। इस तरह पिता और बेटा दोनों मैच का हिस्सा हैं। क्रिस ब्रॉड भी इंग्लैंड के लिए क्रिकेट खेल चुके हैं, लेकिन मौजूदा समय में वे मैच रेफरी की भूमिका हैं। बहुत कम बार ऐसा होता है जब अपने ही देश के किसी मैच रेफरी को मैच का हिस्सा बनाया जाए, लेकिन कोरोना महामारी को देखते हुए आइसीसी को ऐसा करना पड़ रहा है। लगातार तीसरे अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच में पिता और बेटा साथ में नजर आ रहे हैं, क्योंकि इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी दो मैचों(पूरी सीरीज में मैच रेफरी की भूमिका) में क्रिस ब्रॉड ही मैच रेफरी थी। उन दोनों मैचों में स्टुअर्ट ब्रॉड ने शानदार गेंदबाजी और बल्लेबाजी की। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह पहली बार है जब पिता किसी मैच का रेफरी है तो वहीं बेटा क्रिकेटर के रूप में खेल रहा है। ये अपना आप में किसी रिकॉर्ड से कम नहीं है। आपकी जानकारी के लिए बता दें, इससे पहले आखिरी बार 14 साल पहले किसी एक मैच में पिता और पुत्र की जोड़ी नजर आई थी। हालांकि, उस समय पिता-पुत्र की जोड़ी रेफरी और क्रिकेटर वाली नहीं, बल्कि अलग भूमिकाओं वाली थी। 2006 में केन्या के हितेश देश के लिए क्रिकेट खेले रहे थे, जबकि उनके पिता सुभाष मोदी अंपायरिंग कर रहे थे। 2001 से 2006 के बीच चार बार ऐसा हुआ जब मोदी पिता-पुत्र की जोड़ी एक मैच में साथ थे। सुभाष और उनके बेटे चार बार एक मैच का हिस्सा बने थे, जिसमें तीन बार सुभाष मैदानी अंपायर थे, जबकि एक बार टीवी अंपायर के रूप में वे हितेश के मैच से जुड़े हुई थे। ठीक इसी तरह 1994 में जिंबाब्वे के पॉल स्ट्रांग के डेब्यू मैच में उनके पिता रोनाल्ड स्ट्रांग टीवी अंपायर थे। हालांकि, कभी भी मैच रेफरी और क्रिकेटर की भूमिका में पिता-पुत्र नजर नहीं आए हैं। ऐसे में क्रिस ब्रॉड और स्टुअर्ट ब्रॉड की जोड़ी सबसे न्यारी है।

आईपीएल 2020 के लिए प्रैक्टिस पर लौटे धोनी

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर 100 फीसदी क्रिकेट फैंस को इंडियन प्रीमियर लीग के शुरू होने का इंतजार है, तो इसमें से आधे से ज्यादा फैंस महेंद्र सिंह धौनी की मैदान पर वापसी के लिए बेताब हैं। जुलाई 2019 से एक भी मैच नहीं खेलने वाले एमएस धौनी आइपीएल 2020 में वापसी करने वाले हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान धौनी आइपीएल की तैयारियों में जुट गए हैं और अपने हेलिकॉप्टर शॉट्स के जरिए फैंस का मनोरंजन करने वाले हैं। 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई में शुरू होने जा रहे आइपीएल के 13वें सीजन के लिए सीएसके के कप्तान एमएस धौनी ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। चेन्नई की टीम के बल्लेबाज सुरेश रैना ने हाल ही में कहा था कि धौनी के हेलिकॉप्टर शॉट जल्दी देखने को मिलेंगे और ऐसा होता भी दिखाई दे रहा है, क्योंकि धौनी नेट्स में लौट आए हैं। हालांकि, वे लगातार प्रैक्टिस नहीं कर रहे हैं, क्योंकि इतने लंबे समय तक वे क्रिकेट से दूर रहे हैं। दरअसल, एमएस धौनी ने रांची के झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में प्रैक्टिस शुरू कर दी है। आइपीएल से पहले धौनी ने इंडोर प्रैक्टिस की। लॉकडाउन और सोशल डिस्टेंसिंग की वजह से धौनी गेंदबाजों का प्रयोग तो नहीं कर सकते थे, लेकिन उन्होंने रांची के स्टेडियम में बॉलिंग मशीन से जमकर प्रैक्टिस की और चौके-छक्के लगाए। इस बात की जानकारी जेएससीए के कर्मचारी ने द न्यू इंडियन एक्सप्रेस को दी। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के एक पदाधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, उन्होंने (धौनी) पिछले सप्ताह जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम परिसर का दौरा किया। उन्होंने गेंदबाजी मशीन का उपयोग करते हुए इनडोर सुविधा में अभ्यास किया। उन्होंने वीकेंड में दो दिनों तक बल्लेबाजी का अभ्यास किया, लेकिन तब से वापस नहीं आए। मुझे ईमानदारी से पता नहीं है कि उनकी योजनाएं क्या हैं या वह प्रशिक्षण के लिए वे अब वापस आएंगे या नहीं।

आइपीएल टाइटल स्पॉन्सर के लिए ये कंपनियां हैं रेस में, चीनी कंपनी नहीं होगी प्रायोजक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ ने वीवो को इंडियन प्रीमियर लीग यानी आइपीएल के 2020 के सीजन के लिए मुख्य प्रायोजक के तौर पर सस्पेंड कर दिया है। हालांकि, 2021 के सीजन में चीनी मोबाइल कंपनी वीवो बतौर आइपीएल टाइटल स्पॉन्सर लौट सकती है। इस बीच बीसीसीआइ को नए आइपीएल प्रायोजक की तलाश है, जिसको लेकर मार्केट एक्सपर्ट का मानना है कि इसके लिए ई-लर्निंग और ई-कॉमर्स कंपनियां आगे आएंगी, लेकिन एक टेलिकॉम कंपनी भी छुपा रुस्तम की तरह सामने आ सकती है। आइएएनएस से बात करते हुए एक मार्केट एनालिस्ट ने कहा कि अमेजन जैसी एक ब्रांड को दिवाली वीकेंड की आवश्यकता हो सकती है, क्योंकि कंपनी को ज्यादा सेल करनी होती है। इसके अलावा इस सौदे को कोई भी कंपनी सस्ते में हासिल कर सकती है, क्योंकि वीवो को एक सीजन के 440 करोड़ रुपये चुकाने होते थे। वास्तव में यह एक विन-विन सिचुएशन है, जिसमें कोई भी कूदेगा वो जीतेगा।

मार्केट एक्सपर्ट का मानना है कि इस समय ऐसी ही कंपनियां इस डील को हासिल करना चाहेंगी, जिनको ऑनलाइन सेक्टर में अपनी पकड़ मजबूत करनी है। मार्केट एनालिस्ट ने कहा है, फ्कदेखिए, वर्तमान में लॉकडाउन और आर्थिक प्रभाव के साथ जो कुछ भी हुआ है, उनमें दो सबसे बड़े खिलाड़ी ई-लर्निंग और ई-कॉमर्स क्षेत्र से होंगे। आप किसी नए खिलाड़ी से कुछ स्टार्ट-अप की तरह चलने की उम्मीद नहीं करते हैं, लेकिन हो सकता है कि कोई बायजू की तरह, जो पहले से ही बीसीसीआइ परिवार का हिस्सा है, वह कदम बढ़ा सकता है और बड़े इवेंट का हिस्सा बन सकता है। अनएकेडमी को नहीं भूलना चाहिए जो खुद को क्रिकेट बिरादरी के साथ जोड़ना चाहती है। उन्होंने आगे कहा है, जब आप चीजों के ई-कॉमर्स पक्ष में आते हैं, जबकि फाइनल के चार दिन बाद दिवाली है, ऐसे में आप इससे दो दिन पहले खरीदारी नहीं करते हैं। आप वास्तव में इसे त्योहारों सबसे ऊपर मानते हैं। अमेजन या फ्लिपकार्ट के लिए उस स्थान का उपयोग करने और अंतिम लाभ प्राप्त करने के लिए क्या बेहतर है? इसके अलावा, आपको यह महसूस करना होगा कि कोई भी 440 करोड़ का भुगतान नहीं करेगा। ऐसे में आपको आधे या एक तिहाई कीमत पर स्पॉन्सर मिलेगा। एक अन्य मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि अगर छुट्टश इसमें आता है तो बहुत हैरानी होगी। एक्सपर्ट ने कहा है, देखिए, जीयो पहले से ही एक ब्रांड है जो व्यक्तिगत रूप से आठ टीमों के साथ जुड़ा हुआ है। आगे यह टाइटल स्पॉन्सरशिप गेम में क्यों आना चाहेगा? यदि वे ऐसा करते हैं।

युवराज सिंह रहे हैं दो-दो वर्ल्ड कप जीत के हीरो

लेकिन इस बात का है सबसे ज्यादा पछतावा

नई दिल्ली, एजेंसी। युवराज सिंह की उपलब्धियां क्रिकेट फैंस के लिए भुला पाना आसान नहीं है। वो जब भारत के लिए क्रिकेट खेल रहे थे तब भी और आज भी सबसे चहेते क्रिकेटर हैं। एम एस धौनी की कप्तानी में टीम इंडिया को दो-दो वर्ल्ड कप में जीत मिली और भारत की इस दो बड़ी कामयाबी में युवराज सिंह का जो रोल रहा वो सबके जहन में ताजा है। भारत के लिए युवराज सिंह ने कई मैच जिताऊ पारियां खेली थी और इसकी शुरुआत साल 2000 में आइसीसी नॉकआउट टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 84 रनों की तूफानी पारी खेलकर की थी। इस पारी से ही इंटरनेशनल लेवल पर उन्होंने अपना नाम बनाना शुरू किया था। इसके बाद युवी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और उन्होंने 2002 नेटवेस्ट सीरीज में भी भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद 2007 वर्ल्ड कप में भी युवी ने अपना जलवा बिखेरा। 2011 वर्ल्ड कप में भारत चैंपियन बना और वो प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने थे। इसमें कोई शक नहीं कि युवी का क्रिकेट करियर काफी शानदार रहा, लेकिन इसके बावजूद उन्हें एक बात का बेहद अफसोस है। टाइम्स नाउ से बात करते हुए युवराज सिंह ने कहा कि अनुभव चाहें अच्छे हों या फिर बुरे वो आपको आगे बढ़ने और सीखने में मदद करते हैं। मैंने अपनी जिंदगी में काफी कुछ देखा और सहा साथ ही इन अनुभवों के दम पर ही मैं जो आज हूं वैसा बना। मैं अपने परिवार, दोस्तों, साथी खिलाड़ियों और फैन्स का शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने मुझे सपोर्ट किया और हर कदम पर मेरा हौसला बढ़ाया। युवराज सिंह ने कहा कि कहा कि उन्हें एक बात का पछतावा है कि वो भारत के लिए ज्यादा टेस्ट मैच नहीं खेल सके। उन्होंने कहा कि जब मैं पीछे देखता हूं तो मुझे लगता है कि मुझे टेस्ट क्रिकेट खेलने का और मौका मिलना चाहिए था। उस समय सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीरेंद्र सहवाग, वीवीएस लक्ष्मण, सौरव गांगुली जैसे स्टार क्रिकेटर थे ऐसे में टेस्ट टीम में जगह बनाना मुश्किल था। मुझे मौका तब मिला जब सौरव गांगुली रिटायर हुए, लेकिन इसके बाद मुझे कैंसर का पता चला और मेरी जिंदगी की दिशा ही बदल गई। हालांकि उन्होंने कहा कि मुझे जो कुछ भी मिला उससे में खुश हूं। मैं अपने क्रिकेट के सफर से संतुष्ट हूं और इस बात का मुझे गर्व है कि मैं भारत के लिए खेल सका और अपने देश का प्रतिनिधित्व कर पाया। उन्होंने भारत के लिए 40 टेस्ट मैच खेले थे जिसमें तीन शतक और 11 अर्धशतक शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने इन मैचों में 33.92 की औसत से 1900 रन भी बनाए थे।

अमिताभ बच्चन ने श्रावण शुक्रवार को लेकर किया ट्वीट

मुंबई की बारिश पर लिखा-कुछ तो चाहत होगी वरना...

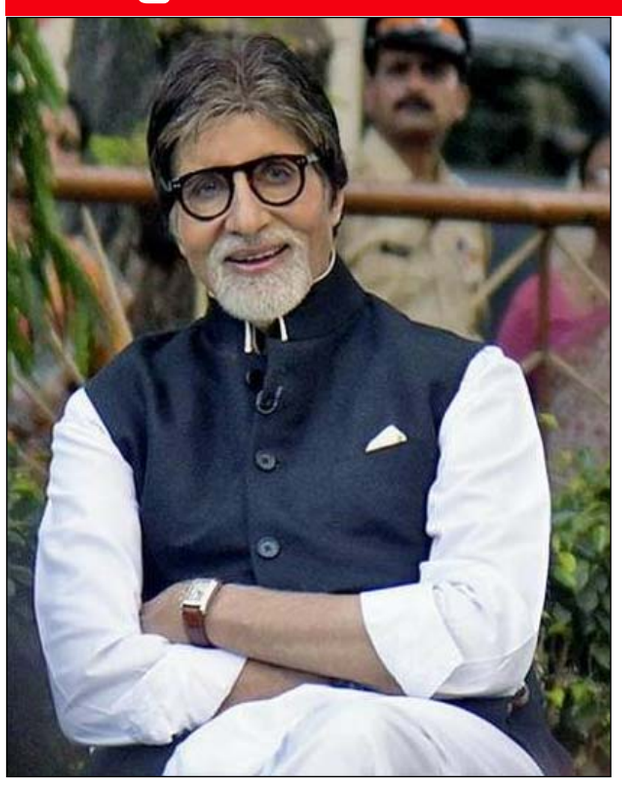

महानायक अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं. अब उन्होंने मुंबई बारिश को लेकर एक ट्वीट किया है जो लोगों को ध्यान खींच रहा है. मुंबई में हर साल लोगों के परेशानी का सबब बनकर आती है. कोरोना वायरस के साथ बारिश ने भी मुंबई वासियों की परेशानी को बढ़ा दिया है. कोरोना से जंग जीतने के बाद अमिताभ बच्चन बारिश की बूंदों को देखकर काफी खुश हैं. उन्होंने ट्वीट किया, कुछ तो चाहत होगी इन बारिशों की बूंदों की भी, वरना कौन गिरता है इस जमीन पर, आसमान तक पहुंचने के बाद... उनका यह ट्वीट तेजी से वायरल हो रहा है. लोग इसपर जमकर प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं. वहीं अमिताभ बच्चन ने श्रावणी शुक्रवार को लेकर लोगों को बधाई दी है. उन्होंने ट्वीट किया, राम कीनह चाहें सो होई य करें अन्यथा कछु नहीं होई .श्रावणी शुक्रवार. बता दें कि आज श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि और दिन शुक्रवार है. यह सावन का पहला शुक्रवार है. सावन शुक्रवार के दिन लक्ष्मी माता की पूजा का विशेष महत्व होता है. अमिताभ बच्चन लगातार ट्वीट कर रहे हैं. उन्होंने पिछले दिनों अपने बेटे अभिषेक बच्चन को याद करते हुए कई ट्वीट किये थे. बता दें कि अमिताभ बच्चन, उनकी बहू ऐश्वर्या राय बच्चन और आराध्या बच्चन कोरोना से ठीक होकर घर लौट आए हैं. लेकिन अभिषेक बच्चन अभी भी नानावती अस्पताल में भर्ती हैं. हाल ही में उन्होंने अभिषेक संग अपनी तसवीर शेयर कर लिखा था, तू न रुकेगा कभी य यू ना मुड़ेगा कभी य तू ना झुकेगा कभी य कर शपथ कर शपथ कर शपथ यअग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ !!. वहीं उन्होंने पिता हरिवंश राय बच्चन की भी एक कविता पोस्ट की है.अमिताभ बच्चन ने लिखा, तुमने प्रतिमा का सिर काट लिया, पर लोगों ने उसे सिर झुकाना नहीं छोड़ा है. तुमने मूर्ति को नहीं तोड़ा, लोगों की आस्था को नहीं तोड़ा है. और आस्था ने बहुत बार कटे सिर को कटे धर से जोड़ा है. गौरतलब है कि महानायक अमिताभ बच्चन पिछले दिनों की कोरोना को हराकर घर लौट चुके हैं. कुछ दिन पहले अमिताभ की बहु ऐश्वर्या राय बच्चन और उनकी पोती आराध्या को भी अस्पताल से छुट्टी मिली थी. उन दोनों की जांच रिपोर्ट भी निगेटिव आयी थी. वहीं, अभिषेक बच्चन अभी भी अस्पताल में हैं.

सुशांत सिंह की भांजी ने अपने गुलशन मामा को याद करते हुए शेयर किया वीडियो

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की ऐसे मौत के बाद सीबीआई जांच की मांग लगातार इस मामले में उनके फैंस कर रहे थे। हालांकि बुधवार को इस केस को सीबीआई के पास केंद्र ने उसे सौंप दिया है। इसके बाद एक्टर की भांजी मल्लिका ने उनके फैंस को सोशल मीडिया पर शुक्रिया कहा है और एक वीडियो भी शेयर किया है। लगातार सुशांत की बहने उनके जाने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर रही हैं। इसी बीच भांजी मल्लिका ने सुशांत को याद करते हुए पोस्ट लिखा। अपने गुलशन मामू को उन्होंने अपनी पोस्ट में याद किया और थैंक यू उनके फैंस को कहा। दरअसल सुशांत के लिए मल्लिका ने यह पहला पोस्ट किया है। सुशांत की एक तस्वीर और वीडियो इसमें है। उन्होंने लिखा, आई लव यू सो सो मच, गुलशन मामा। मैं आपको बहुत याद करूंगी। सुशांत के साथ एक तस्वीर मल्लिका ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर लगाई और फैंस को थैंक यू किया। हाल ही में स्क्रीन शॉट सुशांत की बहन श्वेता सिंह ने भी साझा किया। उसमें दोनों की कुछ चौट्स हैं। सोशल मीडिया पर श्वेता सक्रिय रहती हैं और कई पोस्ट उन्होंने सुशांत से जुड़े साझा किये हैं।

रिया से ईडी दफ्तर में पूछताछ

सुशांत सिंह राजपूत केस में धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशाल (ईडी) के ऑफिस में पूछताछ के लिए रिया चक्रवर्ती पेश हुई हैं. उनसे पूछताछ जारी है. इशी बीच, श्रुती मोदी भी पहुंची बता दें इस बारे में रिया चक्रवर्ती के वकील ने ईडी से गुहार की थी कि जब तक सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई चल रही है, तब तक इस मामले में ईडी उनसे पूछताछ नहीं करें. मगर ईडी ने उनके अपील को खारिज कर दिया, 12 बजे ईडी ने रिया चक्रवर्ती को पूछताछ के लिए बुलाया था, जिसके लिए अपना बयान दर्ज करने के लिए रिया चक्रवर्ती ईडी के सामने पेश हुई हैं. मुंबई स्थित ईडी के दफ्तर में रिया चक्रवर्ती से पूछताछ जारी है. टीवी रिपोर्ट्स के मुताबिक,रिया के साथ उनके भाई और पिता भी दफ्तर में मौजूद हैं. रिया चक्रवर्ती के ईडी ऑफिस पहुंचने के बाद सुशांत की बहन श्वेता ने ट्वीट किया- हर हर महादेव. बता दें कि ईडी ने रिया को उनके वाट्सएप पर समन भेजा था. फिर आज इमेल के जरिये रिया ने अपना जवाब भेजा है. सुशांत सिंह आत्महत्या मामले की जांच अब सीबीआई को सौंप दिये जाने के बाद सीबीआई और ईडी ने अपना काम शुरू कर दिया है.

जांच के लिए सीबीआई ने एसआईटी गठित की है. सीबीआई ने सुशांत सिंह आत्महत्या मामले में एफआईआर भी दर्ज किया है. एफआईआर में रिया चक्रवर्ती समेत छह लोगों को आरोपी बनाया गया है.वही इसी जांच के सिलसिले में ईडी ने आज रिया चक्रवर्ती को अपना बयान दर्ज करने के लिए बुलाया था. इसके बाद आज उसने और समय देने की अपील की है. इससे पहले के घटनाक्रम की बात करें तो सुशांत सिंह राजपूत मामले में जांच करने मुंबई गये पटना एसपी विनय तिवारी को बीएमसी ने कोरेंटिन से मुक्त कर दिया है. विनय तिवारी सुशांत सिंह राजपूत मामले की जांच के लिए पिछले महीने मुंबई गए थे, जहां उन्हें बीएमसी ने 14 दिनों के लिए कोरेंटिन कर दिया था. बता दें कि सुशांत केस की जांच के लिए 27 जुलाई को पटना से मुंबई भेजी गयी चार सदस्यीय एसआइटी गुरुवार की दोपहर 12.30 बजे स्पाइसजेट की फ्लाइट से लौट आयी. हालांकि, पटना के सिटी एसपी विनय तिवारी अब भी मुंबई में ही कोरेंटिन में हैं. टीम में शामिल इंस्पेक्टर निशांत सिंह, इंस्पेक्टर मनोरंजन सिंह, दुर्गेश और कैसर आलम के पटना पहुंचते ही एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया.'जस्टिस फॉर सुशांत' के प्रभारी विशाल सिंह, अभिषेक सिंह समेत अन्य लोगों ने गुलदस्ता और बुके देकर उनका स्वागत किया. पटना पहुंचने के बाद एसआइटी में शामिल पुलिसकर्मी अब तैनाती वाले थाने का चार्ज लेंगे और काम शुरू करेंगे. एसआइटी ने आइजी को सौंपी केस डायरी व सारे सबूत पटना पहुंचते ही एसआइटी के सदस्य सीधे आइजी संजय सिंह के कार्यालय पहुंचे. वहां पर आइजी को केस डायरी और जांच रिपोर्ट सौंपी.

सिंगलहुड एंजॉय कर रही हैं जैस्मिन

अभी नहीं हैं किसी के साथ मिंगल

ऐक्ट्रेस जैस्मिन भसीन बीते कुछ दिनों से लगातार चर्चा में है। ऐसी खबरें आई कि ये है मोहब्बतें एक्टर एली गोनी और जैस्मिन भसीन एकदूसरे को डेट कर रहे हैं। लेकिन बाद में एली ने खुद इन खबरों का खंडन किया और बताया कि वह सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। लिहाजा जैस्मिन अभी सिंगलहुड को ही एंजॉय कर रही हैं। एली से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, वह मेरी सबसे अच्छी दोस्त हैं। लेकिन वह मेरी गर्लफ्रेंड नहीं है. कभी भी कोई ऐसी बात नहीं थी।

हम बहुत करीब हैं। जब मैं उससे मिलता हूं तो मुझे बहुत अच्छा लगता है और मैं उसके साथ बहुत सहज हूं। मैं उससे बोलता हूं कि जिस तरह मैं वाही और अरिजीत तनेजा के साथ हूं, उसके साथ भी ऐसा ही है। जैस्मिन भसीन को लेकर एक खबर यह भी है कि वह बिग बॉस 14 में हिस्सा ले रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल से दिल तक ऐक्ट्रेस बिग बॉस के घर में नजर आएंगी। बताया जाता है कि जैस्मिन यह फैसला अपने दोस्त सिद्धार्थ शुक्ला के सुझाव पर लिया है। वैसे,जैस्मिन खतरों के खिलाड़ी-मेड इन इंडिया में में भी नजर आने वाली हैं। इस शो में उनके साथ हर्ष लिम्बचिया, एली गोनी, रित्विक धनजानी, करण वाही, निया शर्मा और जय भानुशाली भी नजर आने वाले हैं। इस शो को फराह खान होस्ट कर रही हैं। जैस्म्घ्नि का कहना है कि वह हमेशा से कुछ थ्रिल चाहती थीं। ऐसे में यह रोमांच को करीब से महसूस करने का अनोखा मौका है। जैस्मिन खुश है कि इस बार यह शो इंडिया में ही शूट हो रहा है। अभी हाल खतरों के खिलाड़ी 10 का फिनाले हुआ। शो की विजेता करिश्मा तन्ना रहीं।

रिया के ईडी ऑफिस पहुंचते ही सुशांत की बहन ने किया पोस्ट

सुशांत सिंह राजपूत 14 जून को अपने बांद्रा अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। रिपोर्ट्स थीं कि सुशांत को डिप्रेशन था हालांकि उनके दोस्त और फैन्स ये बात मानने को तैयार नहीं। अब इस केस की जांच सीबीआई के पास चली गई है। इस बीच रिया चक्रवर्ती ईडी ऑफिस में हाजिर हुई हैं। इसके साथ ही सुशांत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति भगवान शिव की तस्वीर के साथ काफी पावरफुल मेसेज शेयर किया है। सुशांत की बहन श्वेता काफी वक्त से सोशल मीडिया पर अपडेट्स कर रही हैं। आज रिया के ईडी पहुंचते ही उन्होंने भगवान शिव की तस्वीर के साथ मेसेज किया, किसी ने कहा है कि जो आपको किससे उलझना है इसको लेकर सावधान रहना चाहिए क्योंकि इस दुनिया में पता नहीं कौन उनकी रक्षा करता है। उनके इस अपडेट के साथ अंकिता लोखंडे ने भी रिएक्ट किया है। अंकिता ने हाथ जोड़ने का इमोजी बनाया है और लिखा है- प्रेयर्स। काफी दिनों लुका-छिपी के बाद रिया चक्रवर्ती शुक्रवार को ईडी ऑफिस में दिखाई दी हैं। प्रवर्तन निदेशालय उनसे मनी लॉन्ड्रिंग के ऐंगल से पूछताछ करेगा। सुशांत के पिता ने एफआईआर में सुशांत के पैसों के हेरफेर की बात भी कही है।

40 वर्षीय भोजपुरी एक्ट्रेस अनुपमा पाठक ने किया सुसाइड

मरने से पहले फेसबुक लाइव पर कहीं थीं ये बातें

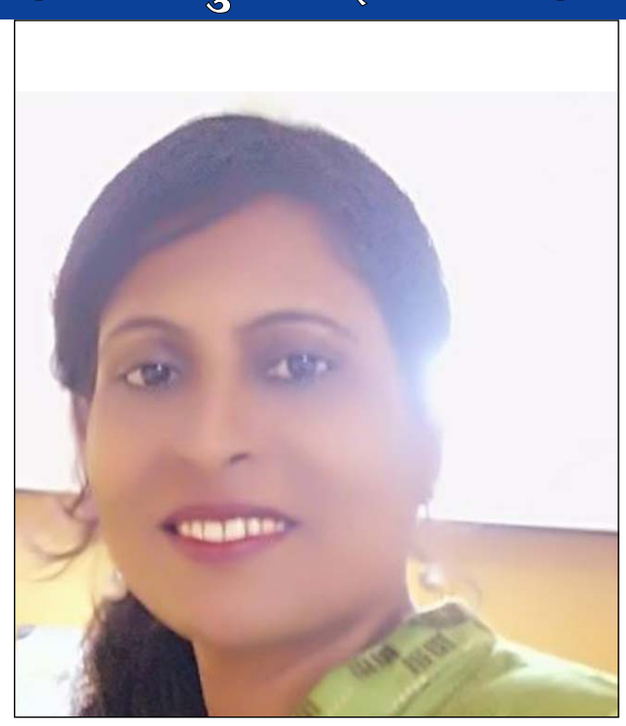

पिछले कई महीनों से मनोरंजन जगत से बुरी खबरें लगातार आ रही हैं जिससे यह साबित हो रहा है हिंदी सिनेमा के लिए 2020 साल अच्छा नहीं है। फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकार इरफान खान, ऋषि कपूर, वाजिद खान, सरोज खान और सुशांत सिंह राजपूत आदि कई सितारे अब हमारे बीच नहीं हैं। इसी बीच बीते गुरुवार को फिल्म इंडस्ट्री से ऐसी ही दो दुखद खबरें आई जिसने हमारा दिल एक बार फिर तोड़ दिया। मशहूर सीरियल श्क्योंकि सास भी कभी बहू थी एक्टर समीर शर्मा ने गुरुवार यानी 6 अगस्त को खुदखुशी करके सबको चौंका दिया। इतना ही नहीं शाम होते-होते भोजपुरी सिनेमा से खबर आई कि एक्ट्रेस अनुपमा पाठक ने भी अपनी जान देकर सुसाइड कर लिया।

40 वर्षीय भोजपुरी एक्ट्रेस अनुपमा पाठक की खुदखुशी की खबर न्यूज एजेंसी ने ट्वीट करके बताई। मुंबई के दहिसर स्थित घर में अनुपमा का शव फांसी पर लटका हुआ मिला। हालांकि सोशल मीडिया पर अपनी मौत से एक दिन पहले अनुपमा लाइव अपने फैन्स से जुड़ी थीं। रिपोर्ट के मुताबिक एक सुसाइड नोट भी पुलिस को अनुपमा के घर से बरामद हुआ। उन्होंने इसमें अपनी खुदखुशी के पीछे की वजह बताई है। अनुपमा ने अपने सुसाइड नोट में लिखा, मैंने एक दोस्त की रिक्वेस्ट पर मलाड की विसडम प्रोड्यूसर कंपनी में 10 हजार रुपये निवेश किए थे। कंपनी को मेरे पैसे दिसंबर 2019 में वापस करने थे। कंपनी मेरा पैसा वापस करने में आनाकानी कर रही है।आखिरी बार फेसबुक पर अपने फैन्स से अनुपमा मौत से पहले लाइव के जरिए जुड़ी थीं। इस दौरान कई ऐसी बातों पर बात उन्होंने की थी जिसपर उनके जाने के बाद दर्शक बात कर रहे हैं। अकसर देखा गया है लोग किसी के जाने के बाद उसकी ऐसी बातों पर सोचते और बात करते हैं। अनुपमा ने वीडियो में कहा था कि धोखा उनके साथ हुआ है और अब किसी पर वह भरोसा नहीं कर पाएंगी। फेसबुक लाइव के दौरान अनुपमा ने बताया था, अगर किसी पर आप भरोसा करके अपनी प्रॉब्लमउसे बताते हैं कि खुदखुशी करने का आप विचार कर रहे हैं, तो वह कितना भी अच्छा आपका दोस्त होगा उससे दूर रहने के लिए ही वह आपको कहेगा। दरअसल कोई नहीं चाहता कि वह आपकी वजह से मुसीबत में मरने के बाद न पड़ जाए। दूसरों के सामने न सिर्फ आपका अनादर वह करता है बल्कि आपका मजाक भी उड़ाएगा। इसलिए कभी भी अपनी समस्याओं को किसी के साथ साझा न करें और कभी किसी को अपना दोस्त न समझें। फेसबुक पर लाइव होने के 26 मिनट बाद अनुपमा ने आखिरी पोस्ट शेयर की। उस पोस्ट में अनुपमा ने लिखा, बाय बाय गुड नाइट। बिहार के पूर्णिया जिले की अनुपमा मूल रूप से रहने वाली हैं। भोजपुरी फिल्म और टेलीविजन में वह काम कर चुकी हैं। इस मामले की शिकायत पुलिस ने दर्ज कर ली है और जांच में जुट गयी है।

ईडी दफ्तर के बाहर वकील ने कहा

रिया ने कानून का पालन किया, समय पर पहुंचीं

ईडी दफ्तर के बाहर वकील ने कहा- रिया ने कानून का पालन किया, समय पर पहुंचींपहले इनकार, फिर इकरार। शुक्रवार को रिया चक्रवर्ती ने ईडी के समन पर पहले तो सवालों का जवाब देने के लिए मोहलत मांगी, लेकिन फिर जब ईडी ने सख्ती दिखाई और कहा कि नहीं आने पर समन की अवमानना का मामला दर्ज होगा तो सीधे मुंबई में ईडी के दफ्तर पहुंच गईं। अब इस मामले में रिया चक्रवर्ती के वकील सतीश मानशिंदे का बयान आया है। उन्होंने कहा कि रिया कानून का पालन करने वाली नागरिक हैं और वह तय समय और तारीख पर ईडी के समक्ष पेश हो गई हैं। रिया के वकील सतीश मानशिंदे ने ही इससे पहले ईडी से मोहलत मांगी थी। वकील ने तब कहा था कि सुप्रीम कोर्ट में केस को पटना से मुंबई ट्रांसफर करने का मामला चल रहा है, ऐसे में रिया को सवालों का जवाब देने के लिए कोर्ट की सुनवाई तक मोहलत दी जाए। रिपोर्ट्स बताते हैं कि ईडी ने इस पर सख्ती दिखाई, जिसके बाद नाटकीय घटनाक्रम में रिया शुक्रवार ईडी के दफ्तर पहुंच गईं। रिया के वकील ने ईडी दफ्तर के बाहर मीडिया का जमावड़ा देखा और कहा, रिया कानून का पालन करने वालीं देश की एक जागरूक नागरिक हैं। वह जांच में सहयोग कर रही हैं ओर ईडी के समय पर तय समय और तारीख पर दफ्तर पहुंच गई हैं। रिया चक्रवर्ती के साथ ईडी दफ्तर उनके भाई शौविक चक्रवर्ती भी पहुंचे हैं। शौविक का नाम भी एफआईआर में है। सुशांत के साथ शौविक की कुछ कंपनियों में पार्टनरशिप की बात सामने आई है। ईडी सुशांत के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के ऐंगल से जांच कर रहा है। सुशांत के पिता ने अपने एफआईआर में रिया चक्रवर्ती पर करोड़ों रुपये की हेराफेरी का आरोपल लगाया है, जिसके बाद यह मामला ईडी को सौंपा गया। प्रवर्तन निदेशालय इस मामले में शुक्रवार को ही सुशांत की पूर्व बिजनेस मैनेजर श्रुति मोदी को भी सवाल-जवाब के लिए बुलाया है। श्रुति भी ईडी दफ्तर पहुंच गई हैं। इसके अलावा सुशांत के दोस्त और फ्लैटमेट सिद्धार्थ पिठानी को भी 8 अगस्त यानी शनिवार को ईडी के समक्ष पेश होना है। उन्हें भी समन भेजा गया है। मनी लॉन्ड्रिग मामले में इससे पहले बुधवार को गुरुवार को दोनों ही दिन ईडी ने सुशांत के हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा से पूछताछ की है। सुशांत के पिता की एफआईआर में सैमुअल मिरांडा का नाम भी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिया ही सैमुअल को बतौर हाउस मैनेजर लाई थीं।रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिया की साल 2018-19 में टोटल इनकम 14 लाख के आसपास थी। वहीं उनके इनवेस्टमेंट काफी हाई हैं। बताया जा रहा है कि उनकी 2 प्रॉपर्टीज हैं जिनकी कीमत करोड़ों में है। ईडी को इस पर शक है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईडी ने रिया से पूछताछ के लिए सवालों की लिस्ट तैयार कर ली है। उनसे 3 चरणों में पूछताछ होनी है।

ढाई दिन लगातार सोकर विद्युत जामवाल ने बनाया रिकॉर्ड, बोले सोचा कुछ अलग करूं

नई दिल्ली, एजेंसी। इन दिनों अपनी फिल्म खुदा हाफिज के प्रमोशन में व्यस्त विद्युत जामवाल को भले ही आराम से सोने का मौका नहीं मिल रहा हो लेकिन उन्हें इस बात का बिल्कुल भी मलाल नहीं है। उनका कहना है कि ?इस लॉकडाउन में मैंने कई अनोखे रिकॉर्ड बनाए हैं जिनमें लगातार ढाई घंटे सोने का भी एक रिकॉर्ड हैं। अपने लॉकडाउन रुटीन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि लोगों को आजकल नीदं नहीं आती और इस कारण वह परेशान हो जाते हैं कि क्या हो गया, अब क्या करें। मुझे भी एक दिन राज के 4 बजे तक नींद नहीं आई। पहले तो मैं परेशान हुआ लेकिन फिर मैंने सोचा कि देखता हूं कि कब तक नींद नहीं आती और फिर मुझे अगले दिन के दोपहर में नींद आई। ऐसे में जब मेरे पास कुछ खास करने के लिए कुछ नहीं था तो मैं लगातार ढाई दिन तक सोता रहा। बस बीच में कुछ खाने के लिए उठता

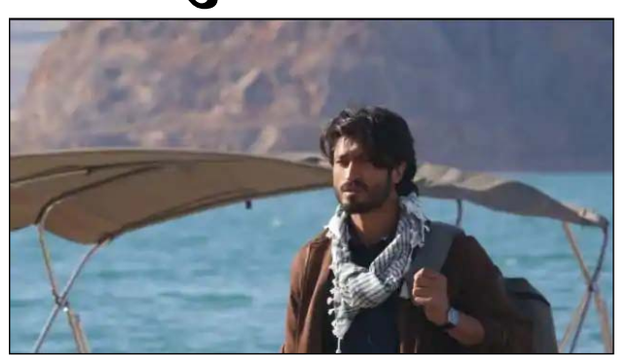

था। इसलिए अब जब मैं काम कर रहा हूं और सोने का उतना टाइम नहीं मिल रहा तो मुझे कोई परेशान नहीं है क्योंकि मैं जानता हूं कि फिर ऐसा टाइम मिलेगा कि फिर सोने के लिए अच्छा समय मिलेगा। अपनी फिल्म खुदा हाफिज के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि ये फिल्म मेरे लिए कई मायनों में खास है। विद्युत ने कहा कि ?खुदा हाफिज में मेरे साथ दो मेरे प्यारे जामवालियन यानी कि मेरे फैंस भी काम कर रहे हैं और उनके साथ काम करके मुझे लगा कि हम फैमिली फिल्म कर रहे हैं। वहीं उनकी फिल्म की हीरोइन शिवालिका कहती हैं कि विद्युत के कारण मुझे भी उनके फैंस का प्यार मिल रहा है और उनके फैंस मुझे सोशल मीडिया पर खूब मैसेज करते हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव के बारे में शिवालिका कहती हैं कि लखनऊ में जब हम शूट कर रहे थे तो कई सीन ऐसे होते थे कि मैं शूट कर रही होती थी और विद्युत मुझे देख रहे होते थे।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक
स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए प्रकाशन, मुद्रक व संपादक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- कंचन सोलंकी
TITLE CODE- UPHIN48974
Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com
नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।